जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोन:- 256906, 256907, फैक्स:- 01562-256908 वर्ष: 15 संख्या: 138 प्रभात चूरू, शुक्रवार 15 सितम्बर, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के जयपुर लौटते ही यहाँ उनके आवास पर टिकट चाहने वाले नेताओं, कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुट रही है। पायलट भी पूरी आत्मीयता के साथ सभी लोगों से मुलाकात कर उनकी मांग का जायज समाधान करने का आश्वासन दे रहे हैं और टिकट चाहने वालों के बायोडेटा ले रहे हैं। गौरतलब है कि, स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य बन जाने पर पायलट समर्थकों का उत्साह काफी बढ़ गया है।

इंडिया गठबंधन ने 14 टॉप टी.वी. एंकर्स पर प्रतिबंध लगाया

भाजपा समर्थक गोदी मीडिया के खिलाफ यह कदम उठाकर विपक्ष ने कड़ा संदेश दिया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। विपक्षी गठबंधन "इण्डिया" ने भाजपा व मोदी समर्पित गोदी मीडिया के 14 शीर्ष एंकर्स का बायकॉट कर एक प्रहार किया है गठबंधन का कहना है कि विपक्ष के नेता उनके प्रोग्राम्स में प्रस्तुत नहीं होंगे। इस निर्णय का उद्देश्य यह एक मजबूत संदेश भेजना है कि बड़े टी.वी. चैनल्स के एकतरफा रुख को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा चैनल्स को पक्ष एवं विपक्ष को बराबर का मौका देना चाहिए।

- इंडिया गठबंधन के नेता इन एंकर्स के कार्यक्रमों में शामिल नहीं होंगे।
- विपक्ष ने इस कदम से यह साफ कर दिया है कि, बड़े टी.वी. चैनल्स की एक तरफा सोच बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
- वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि, इस कदम का राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारी प्रभाव पड़ेगा।
- वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि, बहिष्कृत एंकर्स की लिस्ट में कुछ और नाम भी जोड़े जा सकते हैं।

इसका उद्देश्य यह मजबूत संकेत भी भेजना है कि विपक्ष कमजोर नहीं है और वह अपना भी पक्ष मजबूती से रखना चाहता है।

मजेदार बात यह है कि एंकर्स की लिस्ट में कुछ नाम और जोड़े जा सकते हैं, क्योंकि इस लिस्ट में बदलाव होने की उम्मीद है। सीनियर नेताओं का कहना है कि इसकी राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर मजेदार प्रतिक्रियाएं होंगी।

इण्डिया गठबंधन की कोऑर्डिनेशन कमेटी द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार गठबंधन की पार्टियां निम्न एंकर्स के शोज़ में अपने प्रतिनिधि नहीं भेजेगी।

1- अमन चोपड़ा
2-प्राची पाराशर
3-रूबिया लियाकत
4- चित्रा त्रिपाठी
5- सुधीर चौधरी
6-अमीश देवगन
7- अर्नब गोस्वामी
8-नविका कुमार
9- आनंद नरसिंहन
10- गौरव सावंत
11- अदिती त्यागी
12- सुशांत सिन्हा
13- अशोक श्रीवास्तव
14- शिव अरुर

कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने गुरुवार को यह स्पष्ट किया कि टीवी चैनल्स के कुछ एंकर विशेष का बहिष्कार क्यों किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ टीवी चैनल्स पर हर रोज शाम 5 बजे नफरत का एक बाजार सजाया जाता है।

खेड़ा ने आगे कहा कि "हमारा उद्देश्य "नफरत मुक्त भारत" अथवा घ्रणा मुक्त भारत है। हमारा नारा है "जुड़ेगा भारत जीतेगा इंडिया" एक अन्य नेता ने कहा कि जिन एंकर्स का बहिष्कार किया गया है, वे एक मिशन को लेकर साम्प्रदायिकता फैलाते रहे हैं, अत: उनसे दूरी बनाए रखना ही बेहतर है।

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिज़्म
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

सचिन पायलट के आवास पर कार्यकर्ताओं व टिकट मांगने वालों की भारी भीड़ उमड़ी

पायलट आत्मीयता से सभी की बात सुन रहे हैं और दावेदारों के बायोडेटा स्वीकार कर रहे हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर 14 सितंबर । कांग्रेस कार्यसमिति और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य बनने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट जब से जयपुर लौटे हैं, तब से उनके सिविल लाइंस स्थित आवास पर समर्थकों, कार्यकर्ताओं और टिकट मांग रहे कांग्रेस दावेदारों की जमकर भीड़ उमड़ रही है। इनमें जयपुर के साथ-साथ दौसा, करौली, टोंक, सवाई माधोपुर, अजमेर और नागौर क्षेत्र के लोग ज्यादा हैं। इस भीड़ के कारण पायलट आवास की सड़क पर दोनों ओर बड़ी संख्या में वाहन खड़े होने के कारण पुलिस को भी यातायात व्यवस्थित करने में बड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

- लम्बे अर्से तक किसी पद पर नहीं रहने के बाद भी बेहद लोकप्रिय सचिन पायलट को हाल ही में कांग्रेस कार्यसमिति और स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य बनाया गया है, जिससे उनके समर्थकों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का मनोबल बहुत बढ़ गया है।
- यही वजह है कि, पायलट आवास पर भारी भीड़ उमड़ रही है, सिविल लाइन्स मे ट्रैफिक जाम जैसे हालात बन गए हैं।
- हालांकि, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा भी स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य हैं पर टिकट चाहने वालों की भीड़ पायलट के आवास पर ही उमड़ रही है।

वैसे तो जयपुर आने पर सचिन पायलट के आवास पर मिलने वालों की संख्या प्राय: अच्छी रहती ही है, लेकिन अब चुनाव को देखते हुए टिकट चाहने वालों की बहुत बड़ी संख्या पायलट आवास पर देखी जा रही है। इन तमाम कांग्रेस समर्थकों, नेताओं और कार्यकर्ताओं से सचिन पायलट भी आत्मीयता से मुलाकात कर उनकी बात सुन रहे हैं। जो लोग अपनी मांगें व मुद्दे लेकर आ रहे हैं, लौटते वक्त उनके चेहरे पर भी संतुष्टि की झलक देखी जा सकती है।

सचिन पायलट के कांग्रेस कार्य समिति सदस्य बनने तथा स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य बनने के बाद पायलट समर्थकों में आस है कि अब सचिन पायलट उन्हें विधानसभा चुनाव का टिकट दिलवा सकते हैं, इसलिए उनके निवास पर मिलने वालों का हुजूम नज़र आ रहा है। हालांकि सचिन पायलट आने वालों को किसी तरह का कोई आश्वासन नहीं दे रहे, लेकिन यदि कोई अपना बायोडाटा उन्हें दे रहा है तो उसे जरूर स्वीकार कर रहे हैं। दरअसल लंबे समय तक बिना किसी पद पर रहने के बाद अब जब सचिन पायलट को स्क्रीनिंग समिति और कांग्रेस कार्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु.मंत्री गहलोत के प्रार्थना पत्र पर फैसला 19 को

जयपुर, 14 सितंबर (का.सं.)। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू की निचली अदालत में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह के मानहानि परिवाद में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई है।

- केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में गहलोत ने दिल्ली के राउज़ एवेन्यू कोर्ट में गुहार की है कि, परिवादी शेखावत के अनुपस्थित होने पर उन्हें दोषमुक्त किया जाए।

अदालत मामले में 19 सितंबर को इस प्रार्थना पत्र पर अपना फैसला देगी। सीआरपीसी की धारा 256 के तहत पेश इस प्रार्थना पत्र में सीएम अशोक गहलोत ने वादी गजेंद्र सिंह के अदालत में पेश नहीं होने के आधार पर स्वयं दोषमुक्त करने की गुहार की है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट के 18 एडिशनल जजों का प्रमोशन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) धनन्जय वाय. चन्द्रचूड़ ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के 11 अतिरिक्त जजों तथा इलाहबाद हाई कोर्ट के 7 अतिरिक्त जजों का उपरोक्त हाई कोर्टों में पदोन्नति की गुरवार को सिफारिश की।

जस्टिस संयज किशन कौल और जस्टिस संजीव खन्ना से युक्त कोलीजियम की गुरवार को मीटिंग हुई और उसमें लिए गए निर्णय को शीर्ष अदालत की वैबसाइट में अपलोड किया गया। वैबसाइट में ये डिटेलस अपलोड की गईं कि सिफारिश करने की प्रक्रिया किस प्रकार से आगे बढ़ी।

- सुप्रीम कोर्ट कोलीज़ियम ने जिन 18 एडिशनल जजों के प्रमोशन की घोषणा की है उनमें से 11 पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के और 7 इलाहाबाद हाई कोर्ट के हैं।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में जिन जजों के लिए स्थायी नियुक्ति की सिफारिश की गई है, वे हैं- निधि गुप्ता,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इंडिया गठबंधन सनातन को नष्ट करना चाहता है, इसे हराना होगा'

प्रधानमंत्री मोदी ने संदर्भ से अलग जाकर उदयनिधि के सनातन संबंधी बयान का हवाला देकर आगामी चुनावी जंग का ट्रेलर दिखाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। नवगठित इंडिया गठबंधन और एन.डी.ए. के बीच आगामी चुनावी घमासान का ट्रेलर पेश करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मध्य प्रदेश में सनातन वाले विवाद को तूल देते हुए विपक्षी गठबंधन पर यह कहते हुए प्रहार किया, उन्होंने सनातन धर्म को खत्म करने की शपथ ली है, जिसने सदियों से भारतीयों को जोड़े रखा है।

- मध्य प्रदेश, जहां साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, में एक कार्यक्रम में बोलते हुए मोदी ने "सनातन" मसले पर विपक्षी गठबंधन पर जम कर हमला बोला।
- भाजपा ने तय किया है कि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के बेटे उदयनिधि मारन द्वारा सनातन धर्म की तुलना एच.आई.वी. और कोविड से करने वाले बयान को मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों व आगामी लोकसभा चुनाव में मुख्य मुद्दा बनाया जाएगा।

मध्य प्रदेश में जहाँ चुनाव होने वाले हैं, मोदी ने कई विकास परियोजनाओं को शिलान्यास करते हुए सभी भारतीयों को "घमंडिया गठबंधन" के क्रूर इरादों के खिलाफ सचेत किया और उन इरादों को हराने का आव्हान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, "घमंडिया गठबंधन के नेतृत्व पर कुछ स्पष्ट नहीं है लेकिन इस समूह ने अपनी भावी रणनीति और गोपनीय एजेंडा तैयार कर लिया है। उनकी योजना है भारतीयों के विश्वास पर आघात करना, उनके विचारों, मूल्यों और परंपराओं को नष्ट करना जिन्होंने हमें संगठित रखा है, और सनातन धर्म को समाप्त करना।" मोदी ने यह बात तब कही जब द्रमुक नेताओं ने जाति व्यवस्था जैसे सनातन के नकारात्मक पहलुओं पर लगातार बयान दिए।

द्रमुक के नेताओं के बयानों पर मोदी ने कहा कि सनातन अहिल्याबाई होलकर, रानी लक्ष्मीबाई, स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी का प्रेरणा स्त्रोत रहा। उन्होंने कहा, "यह घमंडिया गठबंधन सनातन को नष्ट करने के लिए है ताकि देश को वापिस सदियों की गुलामी में धकेला जा सके। हमें सचेत रहते हुए संगठित होकर इन इरादों पर पानी फेरना चाहिए।"

प्रधानमंत्री इंडिया गठबंधन की 26 पार्टियों पर प्रहार कर रहे थे जो सनातन धर्म की तुलना छूत की बीमारी से तुलना करने वाले द्रमुक के नेताओं के बयानों पर चुप हैं। इनमें शामिल है कांग्रेस, टी.एम.सी., एन.सी.पी., आप, वाम, राजद और सपा आदि।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'न्यू सांगानेर रोड पर 691 अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई कब होगी?

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा और तीन सप्ताह में जवाब पेश करने के लिए कहा

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 14 सितम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट में न्यू सांगानेर रोड पर अतिक्रमण को हटाने के संबंध में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिये हैं कि वह अदालती आदेशों की पालना करते हुए अतिक्रमण हटाये और इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट भी दायर करे। न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव और प्रवीण भटनागर की खंडपीठ ने बाबूलाल शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किये।

इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा पैरवी के लिये अदालत में उपस्थित हुए। याचिका के अनुसार न्यू सांगानेर रोड पर, प्राथमिक तौर पर मंडल मंदिर, चीलगाड़ी रेस्टोरेंट और अरावली मार्ग, वी.टी.रोड, हीरा पथ, रजत पथ और स्वर्ण पथ के क्षेत्र में भारी अतिक्रमण के बारे में बताया गया था। याचिका के अनुसार मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से सांगानेर फ्लाईओवर तक, मास्टर प्लान के अनुसार, 200 फीट चौड़ी सड़क होनी चाहिये परंतु अतिक्रमण कारियों ने सड़क को घेर रखा है।

इस मामले को अदालत के समक्ष वर्ष 2019 में दायर किया गया था परंतु 2021 के मध्य तक राज्य सरकार व जेडीए द्वारा इस मामले में जवाब ही दायर नहीं किया गया। फिर 30 जुलाई 2021 को जेडीए द्वारा अदालत को बताया गया कि इस अतिक्रमण को नियमित कराने के लिये कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है बल्कि अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर हटाने की कार्यवाही शुरू की जायेगी।

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को 30 जुलाई 2021 को अतिक्रमण हटाने के लिए कार्यवाही शुरु करने को कहा था तथा 6 माह में इसकी अनुपालना रिपोर्ट मांगी थी।
- लेकिन राज्य सरकार ने अभी तक भी अतिक्रमण हटाने पर कोई भी कार्यवाही नहीं की है और ना ही कोई अनुपालना रिपोर्ट पेश नहीं की है।

उल्लेखनीय है कि अदालत में जेडीए को सभी अतिक्रमण को चिन्हित कर तीन महीने में अतिक्रमण हटाने के आदेश भी दिये थे, और साथ ही कहा था कि 6 दिसम्बर 2021 तक अतिक्रमण हटाने के संबंध में अनुपालना रिपोर्ट दायर करें।

गौर फरमाने योग्य है कि 30 जुलाई 2021 के बाद से अब तक अनुपालना रिपोर्ट दायर नहीं की है।

उक्त मामले में अदालत के समक्ष यह भी तथ्य सामने आये कि न्यू सांगानेर रोड क्षेत्र में 691 अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिये गये थे, और 26 मई 2023 को राज्य सरकार और जे.डी.ए. अतिक्रमणकारियों को चिन्हित तो कर दिया लेकिन उन्हें हटाने के संबंध में अभी तक कोई बड़ी कार्यवाही नहीं की है। हालांकि राज्य सरकार व जे.डी.ए. ने अपने जवाब में कहा है कि 691 मामलों में अतिक्रमण हटाने के आदेश पारित किये जा चुके हैं और इन पर कार्यवाही के संबंध में अदालत को जल्दी सूचित किया जायेगा।

अदालत ने गुरूवार को हुई सुनवाई के दौर कहा कि तीन हफ्तों में राज्य सरकार व जे.डी.ए इसकी जानकरी दें कि कितने अतिक्रमणकारियों को हटाया जा चुका है, कितनों को हटाया जाना बाकी है और जिन्हें नहीं हटाया गया है, उनमें विलंब क्यों हो रहा है? अब इस मामले में सुनवाई अक्टूबर माह में की जायेगी।

छत्तीसगढ़ में भाजपा की परिवर्तन यात्रा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे और जन सभा को संबोधित करेंगे।

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने को लेकर शुक्रवार को वहां एक राज्यव्यापी "परिवर्तन यात्रा" की शुरुआत करेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बालुनी के अनुसार नड्डा जस्नपुर के रंजीता स्टेडियम ग्राउण्ड से यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे और वहां पर एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे।

रूस के ब्लैक सी बेड़े पर यूक्रेन का हमला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। कल क्रीमिया में रूस के ब्लैकसी फ्लीट (जहाजी बेड़ा) के मुख्यालय को निशाना बनाकर यूक्रेन ने हमला किया जिससे दो जहाज नष्ट हो गए और नौसेना के विशाल शिपयार्ड में आग फैुल गई।

- ब्लैक सी बेड़े के मुख्यालय पर हुए इस हमले में रूस की नौ सेना के जहाज नष्ट हो गए और विशाल शिपयार्ड में आग लग गई।

यह जानकारी रूस और यूक्रेन के अधिकारियों ने दी।

अल सुबह हुआ यह हमला रूस के सेवास्टोपोल स्थित नौसेना मुख्यालय पर अब तक का सबसे बड़ा है। इस मुख्यालय 19 माह पूर्व रूस द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सत्ग्रंथ इस लोक की चिंतामणि नहीं उनके अध्ययन से सारी कुचिंताएं मिट जाती है। संशय पिशाच भाग जाते हैं और मन में सदभाव जागृत होकर परम शांति प्राप्त होती है। –अज्ञात

18 सितम्बर, 2023 को संसद का विशेष सत्र

स कुछ समय से यह प्रथा सी बन गई है कि मोदी सरकार अथवा मोदी ने जो भी कहा हो, किया हो, विपक्ष उसकी आलोचना की गीत गाने लगता है। आज के विपक्ष को शायद मोदी के नाम से ही चिड़ है। हाँ, यह भी सच है मोदी सरकार ने बड़े फैसले लिये हैं जैसे नोटबंदी, संविधान के अनुच्छेद 370 व 35क को समाप्त करना, ट्रिपल तलाक आदि और इनका तीव्र विरोध विपक्ष ने किया है। यह भी कहा जाता है कि विरोध व आलोचना से रास्ता प्रशस्त होता है। जी–20 सम्मेलन ने दुनियां को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अब दुनियां की उभरती हुई ताकत बन चुका है। मोदी के नेतृत्व में अफ्रीकन यूनियन को जी–20 की सदस्यता सबकी सहमति दिलवाना एक सफलता का बडा कदम है। देश तरक्की की ओर बढ़ रहा है और दुनियां की 5वीं महाशक्ति है।

संसद में वाक् आउट से व हंगामें के कारण संसद के आवश्यक कार्य नहीं हो पाते। कई विधेयक अति आवश्यक होते हैं, जिन्हें पास कराना आवश्यक है।

संसद की कार्यवाही रूल्स द्वारा अथवा Precedents से गवर्न होती है। संसद के सत्र को आहूत किया जाता है। इसके नियम हैं। संसद का सेशन बुलाने के कई तरीके हैं। उनमें एक तरीका विशिष्ट सेशन बुलाने का है। इसे विशिष्ट सेशन अथवा सीक्रेट (Secret) सेशन्स कहा जाता है। साधारण रूप से सेशन बुलाने के कारण जिसे 'एजेंडा' कहते हैं, सत्र के नोटिस के साथ भेजा जाता है। यह Special Session 18–22 सितम्बर 2023 को बुलाया गया है। सूचना के साथ कोई एजेंडा नहीं दिया है। विपक्ष की ओर से यह कहा गया है कि संसद के सत्र को बुलाने के नोटिस के साथ आवश्यक पेपर्स भी भेजे जाते हैं, जो विषय के लिये आवश्यक हों।

संसद व सांसद के बाहर संविधान के जानकार (Expert) सीनियर एडवोकेट्स तथा पत्रकारों से तथा पूर्व सेक्रेटरी जनरल लोकसभा PDT Achary जैसे व्यक्तियों से जानना चाहती है कि यह Special Session क्या है, कैसे बुलाया जाता है और क्या इसके लिये नोटिस में एजेंडा होना चाहिये। पूर्व सेक्रेटरी जनरल PDT Achary ves Live Law को एक मुलाकात में बताया कि साधारण तौर पर जब सत्र को आहूत किया जाता है तो सभी आवश्यक पेपर्स आवश्यकता के अनुसार भेजने चाहिये। प्रस्तुत केस में एजेंडा नहीं भेजा गया है। यह असाधारण घटना है। पूर्व सेक्रेटरी जनरल के अनुसार एजेंडा के अभाव के सत्र का बुलाना Improper व Unprecedental है।

संसद के रूल्स को देखें तो यह स्पष्ट होगा कि रूल्स में Secret Session बुलाने का प्रावधान है किन्तु Special Session का कोई प्रावधान नहीं है। यहां यह प्रश्न पैदा होता है कि "आप विशिष्ट सत्र बुला रहे हैं तो सत्र बुलाने का उद्देश्य भी विशिष्ट होना चाहिये। इस बात को यह कह कर भी कहा जा सकता है जब तक उद्देश्य महत्वपूर्ण नहीं होगा, सत्र को विशिष्ट कैसे कहा जा सकता है?

> **यह सही है विशिष्ट (विशेष) सत्र की सूचना सांसदों को दी जा चुकी है। विशेष सत्र बुलाना सरकार का विशेष अधिकार है, इसे चुनौती नहीं दी जा सकती है। विशेष सत्र बुलाया है, क्या यह सत्र विशेष है या नहीं, इस पर संसद में भी विचार हो सकता है या नहीं कहा नहीं जा सकता। यदि इसे सीक्रेट सत्र माना जावे तो फिर एजेंडा बताना उचित प्रतीत नहीं होता।**

सरकार जब एजेंडा को सीक्रेट रखना चाहती है तो उसका कोई तो उद्देश्य होगा। गत वर्षों में विशेष सत्र बुलाये हैं, सरकार का कथन है कि उनमें एजेंडा नहीं दिया था।

यह सही है नोटिस जारी करने से पहले सरकार से वार्ता की आवश्यकता नहीं है। कुछ भी हो जब स्पेशल सत्र है तो Purpose भी उसी श्रेणी का होना चाहिये।

लोकसभा का स्पेशल सत्र पहले भी बुलाया गया था जब सरकार ने 50वीं वर्षगांठ मनाई थी और स्पेशल सेशन उस समय भी बुलाया गया था जब जीएसटी बिल्स पास कराने थे। सांसदों को इसका ज्ञान था, अतः एजेंडा की आवश्यकता नहीं थी।

सरकार से पूछने पर यह डिसक्लोज किया गया कि एजेंडा नोटिस के साथ भेजने की कोई परम्परा नहीं है।

कोई भी व्यक्ति यह कहने को तैयार नहीं है कि एजेंडा के अभाव में स्पेशल सेशन अवैध होगा।

इन दिनों भारत सरकार कई मुद्दों को निपटाना चाहते हैं। पहला मुद्दा है, एक देश–एक चुनाव। यह भी काफी चर्चा का विषय है कि देश के दो नाम नहीं हो सकते। संविधान अनुच्छेद (1) में कहता है कि India देश का नाम India, that is Bharat है। गुलामी से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद सभी देश उन नामों को व निशानों को समाप्त करना चाहते हैं जो गुलामी की याद को ताजा करने में सक्षम हैं। जी–20 की मीटिंग का निमंत्रण भारत के राष्ट्रपति की ओर से भेजा गया है, न कि Government of India की ओर से। इन दोनों मामलों में संविधान संशोधन होगा। ऐसा मालूम पड़ता है कि भारत सरकार देश को इण्डिया नाम नहीं रखना चाहती है और केवल भारत के नाम से देश को पुकारना चाहती है। भारत के 16 नाम समय समय पर रहे हैं। इण्डिया का नाम सबसे बाद का है, यह नाम कब और कैसे पड़ा इस बाबत Oxford Dictionary को देखना भी उचित होगा। इन दोनों ही मामलों में संविधान संशोधन होगा और ऐसा मालूम पडता है कि उपरोक्त विषय पर संसद में बिल लेकर आवेगी। दोनों ही मामलों विशिष्ट हैं उन्हें स्पेशल सेशन में पास कराया जावेगा। यों तो कई मामले हैं, जिन पर चर्चा होकर अधिनियम पास कराये जा सकते हैं। फौजदारी, दीवानी व साक्ष्य के नये कानून भी इस श्रेणी में आ सकते हैं।

यह सही है विशिष्ट (विशेष) सत्र की सूचना सांसदों को दी जा चुकी है। विशेष सत्र बुलाना सरकार का विशेष अधिकार है, इसे चुनौती नहीं दी जा सकती है। विशेष सत्र बुलाया है, क्या यह सत्र विशेष है या नहीं, इस पर संसद में भी विचार हो सकता है या नहीं कहा नहीं जा सकता। यदि इसे सीक्रेट सत्र माना जावे तो फिर एजेंडा बताना उचित प्रतीत नहीं होता। विशेष सत्र बुलाने का रूल्स में प्रावधान नहीं है, किन्तु ऐसे सत्र पहले भी बुलाये जा चुके हैं। यह भी कहा जा सकता है कि विशिष्ट सत्र की सीक्रेट सत्र है।

प्रधानमंत्री मोदी के मन को पढ़ना आसान नहीं है, वे झटका देने व Surprise पैदा करने के हेतु प्रसिद्ध हैं। सत्र के प्रारम्भ होने से पहले उसी दिन एजेंडा सांसदों को बतलाया जा सकता है, जैसा पहले हो चुका है। ऐसा भी मालूत पड़ता है कि सरकार सभी दलों को चर्चा के लिये बुलाना चाहती है। एक समाचार के अनुसार एजेंडा भेज दिया जावेगा।

संसद के इतिहास में 18 सितम्बर 2023 का विशेष सत्र एक नया इतिहास लिखेगा। प्रतीक्षा करें, देश प्रगति व विकास की ओर बढ़ रहा है। जी–20 की सफलता पर देश को गर्व है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

भारत बनाम इंडिया : एक व्यंगात्मक नजरिया

महावीर सिंह

प्रातः भ्रमण के बाद, रामभज आज कुछ ज्यादा ही तेज गति से घर की तरफ लोटा। दरवाजे पर पहुंचते ही जोर से आवाज लगाई--"ओ भगवान जरा सुनो तो"।

घरवाली अंदर से आते ही बोली--'मंदिर गए थे या नहीं? भगवान को हाथ जोड़े की नहीं? क्यों इतनी जोर से भगवान को आवाज लगा रहे हो, बहरा नहीं है, उसे सब सुनता है, उसे सब दिखता है–सर्वत्र–सर्वव्यापी–सर्वकालिक है।'

'नही, नहीं, मैं तो आपको ही आवाज लगा रहा था।' घरवाली को भी तो कुछ ऐसे ही तो बोलते है!

श्रीमान जी, उसे बोलते है–भागवान अर्थात भाग्यशाली

रामभज नें अपनी बात पर आने की कोशीस की--ठीक है मैडम, वही सही---

घरवाली नें फिर टोका--पहले तय कर लो, बात हिंदी में करनी ही या अंग्रेजी में करनी है या मारवाड़ी–मेवाड़ी–ढूंढाड़ी–हरियाणवी शेखावाटी में? मुझे किसी में ही दिक्कत नहीं।

बात हिंदी में आगे बढ़ी--रामभज बोला, आजकल तो सुबह जिसे देखो वही इंडिया, भारत पर गर्मागर्म बहस कर रहे थे? तुम्हारा क्या विचार है, नाम कोन सा ठीक रहेगा?

पूछ तो ऐसे रहे हो जैसे कि मोदी जी/भाजपा/ भारत सरकार नें यह तय करने का जिम्मा तुम्हारे मरियल कंधों पर डाल दिया हो?

नहीं ऐसी बात नही किन्तु यह हम सब की सबसे बड़ी पहचान का मामला है तो चर्चा तो अपन भी कर ही सकते है?

घरवाली जोर देकर बोली--जब एक सर्वकालिक सर्वशक्तिशाली सरकार नें कुछ सरकारी कागजों में इंडिया की जगह भारत लिखा है तो सोच समझ कर ही लिखा होगा। क्यों फालतू में दिमाग पर जोर दे रहे हो। आप जैसे ठाले भुलों को तो, बस, बेमतलब की बहस करनी।

रामभज नें कहा, जरा दिमाग पर जोर लगाओ, नाम बदलने से आम आदमी की स्थिति ज्यादा अछी हो जाएगी क्या? मंहगाई घट जाएगी, रोजगार बढ़ जाएंगे, कम खर्चे में ज्यादा अच्छा इलाज हो जाएगा या बच्चों को ज्यादा अच्छी शिक्षा मिलने लग जाएगी, दवाइयों–खाने–पीने के समान बिना मिलावट मिलने लगेंगे, स्त्रियों–नाबालिग बच्चियों के विरुद्ध घृणित अपराध कम जो जाएंगे, मोब लॉन्चिंग रुक जाएगी, हिन्दू–मुसलमान–हिंदुस्तान–पाकिस्तान, समाज विभाजन रुक जाएगा?

श्रीमती रामभज नें कहा, देश का नाम बदलने का इन बातों से कोई लेना देना नहीं। सारी सरकारें देखी हैं, भ्रष्टाचार बढ़ता गया। मंहगाई, बेरोजगरी कम हुई नहीं। महिलाओं के विरुद्ध अत्याचार बढ़ते ही गए।

प्रधान मंत्री जी नें, मंहगाई, अपराध, रिश्वतखोरी, आदि पर लगाम लगाने का काम देखने के लिए मंत्रियों, अफसरों की फोज लगा रखी है,वे क्या करेंगे? अब यह सरकार जो कर रही है, वह तो गुलामी की निशानीया मिटाने वाले काम है। पहली बार कोई सरकार ऐसा करने की हिम्मत दिखा रही है। 15 अगस्त वाली आजादी तो बस लीपापोती थी। अंग्रेजों ने अपनी जगह अपने आदमी बैठा दिए--और क्या हुआ उस आजादी से? इस सरकार नें सैंकड़ों अंग्रेजों के बनाए कानून खत्म कर दिए। जनता को पहली बार लगा है कि उन्हें वास्तव में अंग्रेजों से अब मुक्ति मिल रही है--धीरे–धीरे। रामभज यह बताने की हिम्मत नही जुटा पाया कि आज जो भारत हम देख रहे है, वह मात्र नो साल में थोड़े ही बना है। ईंट–पथर–रोड़ी–चुना–घास–फूस–पसीना सबको जीरो से इक्कठा कर, उन्हें मिलाकर यह इमारत खड़ी हुई है, जिसकी छत पर से, अब, लोग चिल्लाते हैं कि हमारे बाप–दादों नें कुछ नहीं किया????

रामभज के घरवाली बोली, संविधान बदल के कश्मीर का कानून खत्म कर दिया न। तीन तलाक रोक दिया न। ऐसे धमाकेदार काम होते है सरकार के। जो केवल और केवल यह महाबली सरकार ही कर सकती है। अब वो अंग्रेजो के बनाए, पुराने चोरी–चकरी–लड़ाई–झगड़ों आदि के कानूनों को बदलने वाली है। कुछ निट्ठल्ले, अपूर्ण देश भक्त लोगों की आदत पड़ गई यों ही चलते रस्ते अच्छे कामों में टांग अड़ाने की।

बात इतनी सी नहीं है--रामभज ने समझने का प्रयास किया कि इंडिया, भारत से अलग कोई ओर अच्छा नाम ध्यान आ जाए तो सुझाव भेज देंगे, क्या बुरा है?

घरवाली नें कहा सारा पुराण साहित्य एक से बढ़ कर एक, अच्छे नामों से भरा पड़ा है। आर्यवर्त रख लो, जंब्बू द्वीप रख लो, किसी भगवान या देवी के नाम रख लो, वैदिक देश, सनातनी/सनातन देश, हिन्दू धर्म देश, विश्व गुरु देश, संस्कृत देश, अखंड भारत, महा भारत, जैसे विशुद्ध राष्ट्रवादी नाम, रख लो ----कोई कमी है क्या?

वैसे भारत आया भरत से, भरत की पैदाइश हुई प्रेम विवाह से और भरत के खानदान में हुई महाभारत-- खैर छोढ़ो लोगों का काम है मीन मेख निकालना-----

किन्तु जब बड़े–बड़े तुर्रम खान दिल्ली में बैठे है, उनसे कोई नहीं पूछ रहा, तो आप किस खेत की मूली है जो सुझाव भेजने का ख्वाब देखते है?

रामभज बोला, भागवान इतना सरल होता तो मैं चर्चा ही क्यों करता? अब जैसे आर्यवर्त रखने में दिक्कत है। सारे यूरोपियन, रसियन, अरब भी तो अपने आप को आर्य कहते है--वो सब एतराज करें तो? फिर भारत के अंदर भी तो विरोध करने वालों की कमी है क्या--द्रविड़, संथाल, मूलनिवासी ओर बहुत से एतराज करेंगे ही। ओर यह देश अकेले आर्यों का थोड़े ही है--यहां आर्य, कुषाण, हुण, सिथियन्स, पार्थियन्स, ग्रीक, मंगोल, उज्बेक, अरब, अफगान, यूरोपियन्स व दूसरे ओर कई लोग आकर बसते रहे है, सदियों से। ओर झगड़े देखो--सिंधु घाटी सभ्यता आर्यों की थी या द्रविड़ियन, आर्यन विदेशी आक्रमणकारी थे या नहीं, इस सभ्यता को आर्यों नें नष्ट किया या प्रकृतिं आपदा नें---इन सब बातों पर भी, हम लोगों से घण्टो, बिना निष्कर्ष वाली बहस करा लो। सबसे बड़ी बात तो यह है कि आर्यों के नाम पर, गर्व करने के सबसे बड़े ठेकेदार बनने वाला हिटलर बहुत बदनाम नाम है, कोई भी किसी भी रूप में, ख्वाब में भी उस नाम के साथ, दूर–दूर का जोड़ भी नही चाहता। इस लिए आर्य देश नाम तो भूल ही जाओ।

श्रीमती रामभज नें फिर टोका--चाहे इतने बड़े बहुमत की, 24 घण्टे काम करने वाली सरकार, कितना ही अच्छा फैसला करे, बस विरोध ही विरोध---

रामभज नें फिर कुछ बोलने का प्रयास किया----ओर पुराणों आदि में भी तो खींचतान कर आर्यदेश की सीमाएं नर्मदा के आगे नही जाती---सनातनी–सनातन क्या बला है, इस की तो परिभाषा पर ही, बड़े–बड़े राजनेताओं, धर्म गुरुओं में, दाल भात के मुसलचन्दों के बीच लठम–लठ हो रहा है---

घरवाली नें पीछा छुड़ाते हुए कहा, फालतू के मुद्दों पर टाइम वेस्ट करने का मेरे को कोई शोख नहीं। घर में ओर बहुत से कम हैं। करनी है तो साफ–सफाई में मदद कर दो। सरकार को कहते–कहते तक गई स्वछता स्वछता किन्तु हर कोई चारों तरफ गन्दगी फैलाने में लगा है--कैसे भला हो देश का--एक आदमी क्या कर सकता है, सिवाय भाषणबाजी के।

पड़ोस में काम करने वाला रामसहाय, निकलता दिखा, उसको आवाज लगाई। रामभज नें पूछा ,बोल भाई राम, देश का नाम क्या हो?

रामु बोला बाबू साहब, इन सब फालतू बातों से हमारा क्या सम्बन्ध? इस से दो वक्त की रोटी का जुगाड़ आसान थोडे ही हो जाएगा। फिर यह भी है कि यह सब सोचने–विचारने का काम धाए, खाते–पीते, खुराफाती राजनीति करने नाडों का है।

रामभज समझने लगा, राम सहाय, बहुत से सरकारी कागजों में बहुत बदलवाना पड़ेगा, बहुत से काम अटक जाएंगे या बहुत देरी ना हो जाएंगे, जैसे तेरी ओल्ड एज पेंशन।

रामु बिना कोई दिमाग पर लोड डाले बोला, जिसको वोट लेना होगा वह सारे कागजात तैयार करा देगा, सारी सुविधाएं भी देगा। क्या चिंता करनी, इन छोटी–मोटी बातों की।

सड़क पर, कॉलोनी के सबसे अधिक पढ़े–लिखे, पेशे से वकील, केवल जी जाते दिखे तो आवाज लगाकर चाय के लिए न्योता दे दिया। केवल जी के आने के साथ ही, बिना चाय की आवाज लगाए ही, चाय आगई---घर वाली कहने लगी, मुझे पता है आपको क्यों बुलाया है ? आधे, पौन घण्टे से, इन्होंने सब से माथा पच्ची कर ली----- देश का नाम क्या हो? अब आप समझा दो।

केवल जी नें कहा देखो, इंडियन प्रेसीडेंट/भारत के राष्ट्रपति, इंडियन रिजर्व बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक/इंडियन इंसटीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी/भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान लिखो--सब एक ही है--भारत का सबसे बड़ा कानून इसकी इजाजत देता है। हाँ, लिखने पड़ेंगे दोनों वरना भाषा के नाम पर 60 के दशक जैसे उत्पात–आंदोलन होने लग जाएंगे।

वैसे संविधान बना तब बनाने वाले, देश के हर कोने से, धर्म–सम्प्रदाय से, बहुत ही समझदार–तपे–तपाए लोग थे, जिन्होंने भारत को अंग्रेजों–राजे–रजवाड़ों से लड़ कर लिया था और उन्होंने सोच–समझ कर ही दोनों नाम रखे थे।

हां, सरकार चाहे तो, दोनों सदनों में 2 तिहाई बहुमत से, संघ के आधे राज्यों की सहमति हो तो संविधान में संसोधन हो सकता है। संविधान की जिस जिस धारा इंडिया शब्द हो उसे भारत किया जा सकता है।

किन्तु इसका क्या विशेष लाभ होगा, देश को या लोगों को? जर्मनी में भी तो सर्वश्रेष्ठ होने का राष्ट्रवाद फैला था, क्या भला हुआ जर्मनी का?

उनकी चर्चा में कॉलोनी के इतिहास के प्रोफेसर हर सहाय ओर जुड़ गए। उनका कहना था कि कम से कम तीन, साढ़े तीन हजार साल पहले से पर्सियन साम्राज्य व ग्रीक लोग इंडिया के किसी न किसी अपभ्रंश के रूप में सिंधु नदी के पूर्व के भूभाग को जानते आए हैं।

उन्होंने आगे कहा हमारे यहां तो राष्ट्रवाद की लो जलाने के लिए, गुलामी के प्रतीक कह कर शहरों, एतिहासिक इमारतों, सड़कों, गलियों के नाम बदलने का फैशन चल पड़ा है। जिस किसी नेता के पास कुछ ठोस, बड़ा,सर्वहितकारी करने को कुछ नहीं होता है, वह यह नाम बदलने वाला शार्ट रुट लेकर झंडा बरदारी करने लगता है।

कुछ गम्भीर होकर प्रोफेसर साहब बोले, गुलामी का सबसे बड़ा प्रतीक तो अंग्रेजी भाषा है। है हिम्मत तो हटाओ!!

बहुत से विद्वानों का मानना है कि सबसे पुराने उपलब्ध ग्रन्थ ऋग्वेद में भरत शब्द है, भारत शब्द नहीं है यह उस भौगोलिक क्षेत्र को कहा जाता था जहां आर्यों की भरत जनजाति रहती थी। यह आज के भारत के सम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्र को इंगित करता हो, यह सुस्थापित नहीं। चर्चा लम्बी खिंचती देख और इस से पीछा छुटवाने के लिए श्रीमती रामभज आ गई और बोली यदि चाय पीकर फिर जोश के साथ चर्चा करनी हो तो, बताओ, अन्यथा तो मेरे पास में एक ऐसा नाम है जिससे पुराने समय में, विदेशों में इस क्षेत्र को जाना जाता था, सब को इस से गर्व होगा, शायद ही किसी को आपत्ति हो---

नाम रख लो--"'सोन चिड़िया देश"'

मीटिंग विसर्जन के बाद रामभज को समझाया गया कि यह फालतू की बहसें मॉर्निंग वॉक तक ठीक है,घर पर मत लाया करो। यहां ज्यादा जरूरी कामों की कमी है क्या, करना चाहो तो।

–महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

पेट्रोल पंपों की हड़ताल से रामदेवरा यात्री परेशान

> ■ **हालांकि कुछ पंप संचालकों ने रामदेवरा यात्रियों की सेवार्थ पंप खोले**

जोधपुर/पाली, (कासं)। राजस्थान में पेट्रोल–डीजल पर वेट कम करने और डीलर्स का कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर पेट्रोल पंप संचालकों की सांकेतिक हड़ताल दूसरे दिन गुरुवार को भी जारी रही।

गुरुवार को दूसरे दिन भी सुबह दस बजे से शाम छह बजे तक पेट्रोल पंप से पेट्रोल व डीजल की बिक्री नहीं हो रही है। लेकिन जोधपुर में कुछ पंप संचालक आपातकाल और रामदेवरा जाने वाले यात्रियों को पेट्रोल बिक्री कर रहे हैं। जोधपुर शहर के कई पेट्रोल पंप की थाह ली तो सामने आया कि कई पंप संचालक तो बिल्कुल हड़ताल के पक्ष में है और पंप के बाहर बेरी कटिंग लगाकर किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। जबकि दूसरी और मेडिकल कॉलेज चौराहा, संगरिया रोड और जलजोग चौराहे के पास स्थित पेट्रोल पंप पर बिक्री चालू थी। पेट्रोल पंप पर काम करने वाले कई लोगों ने बताया कि वैसे तो हड़ताल के पक्ष में है लेकिन आपातकाल के लिए बिक्री चालू की गई है।

पश्चिमी राजस्थान में इन दोनों सबसे ज्यादा रामदेवरा यात्रियों को परेशानी हो रही है। हजारों यात्री दुपहिया और चार पहिया वाहन लेकर सैकड़ों किलोमीटर का सफर कर जोधपुर पहुंच रहे हैं और इसके बाद आगे रामदेवरा जा रहे हैं। इनमें से अधिकांश यात्री जोधपुर आसपास के पेट्रोल पंप से पेट्रोल भरवाते हैं जिससे आगे 200 किलोमीटर की यात्रा सुगम हो सके। लेकिन पेट्रोल पंप बंद होने से इन्हें परेशानी का सामना कर रहा पड़ रहा है। हालांकि कुछ पंप संचालकों ने रामदेवरा यात्रियों के लिए सेवार्थ पंप खोल दिए हैं। जोधपुर शहर के 74 पेट्रोल पंप के साथ पूरे जिले के 450 पंप गुरुवार को दूसरे दिन भी सांकेतिक हड़ताल पर रहे। सुबह दस बजते ही पेट्रोल पंप पर बैरिकेडिंग और रस्सी बांधकर बंद कर दिया। कुछ पर बिक्री चालू रही।पड़ोसी राज्यों से राजस्थान में पेट्रोल और डीजल पर ज्यादा वैट होने के कारण पाली जिले भर में पेट्रोल पम्प बुधवार सुबह 10 से शाम 6 बजे तक बंद रहे। ऐसे में कई वाहन चालकों को खासी परेशानी आई। खास कर रामदेवरा जाने और वापस आने वाले जातरू गाड़ियों में पेट्रोल–डीजल भरवाने के लिए एक पेट्रोल पम्प से दूसरे तक भटकते रहे। ऐसे में बीच रास्ते गाड़ियां रुक जाने के डर से कई जातरू पेट्रोल पम्पों पर ही शाम छह बजने का इन्तजार करते नजर आए। उसके बाद पेट्रोल–डीजल भरवा आगे के सफर के लिए रवाना हुए। इधर शाम 5 बजे से ही शहर के कई पेट्रोल पम्पों पर वाहनों में पेट्रोल भरवाने के लिए वाहन चालकों की भीड़ नजर आई। पाली में हाइवे स्थित किसान केसरी पेट्रोल पम्प पर दोपहर करीब 2 बजे यात्रियों से खचाखच भरी गाड़ी लेकर पहुंचे भीलवाड़ा के मोनू ने बताया कि वे रामदेवरा दर्शन कर आ रहा है। दो–तीन पेट्रोल पम्पों पर गए लेकिन हड़ताल के चलते उनकी गाड़ी में डीजल नहीं भरा गया। ऐसे में परेशान है क्योंकि बच्चे और महिलाएं भी साथ आगे जा नहीं सकते क्योंकि गाड़ी में डीजल कम है। ऐसे में शाम 6 बजे तक यही पेट्रोल पम्प इन्तजार करेंगे।

मारवाड़ जंक्शन क्षेत्र का पुखराज भी बाइक लेकर अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रामदेवरा गया था। घर लौटने के लिए उसकी बाइक में पर्याप्त पेट्रोल नहीं था। उसने बताया कि दो–तीन पेट्रोल पम्प पेट्रोल भरवाने के लिए विनती की लेकिन पेट्रोल नहीं भरा। बीवी, बच्चे साथ है अब आगे कैसे जाऊ।

गुंदोज के टैक्सी ड्राइवर हरीश कुमार की भी कुछ ऐसी ही पीड़ा था। बोले कि गुंदोज से पाली टेम्पो में गैस भरवाने आया हूं लेकिन हड़ताल के चलते गैस भी नहीं भर रहे। अब घर कैसे जाऊ टैक्सी में घर लौटने तक का गैस नहीं बचा। हड़ताल तो पेट्रोल–डीजल की है, गैस भरना क्यों बंद कर रहे है।

एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई

गुड़ामालानी, (निसं)। उपखंड के ग्राम पंचायत सिंधासवा हरियान के खेल मैदान में गुरुवार को दोपहर के समय करीब डेढ़ बजे रूटिन अभ्यास पर जा रहे एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर की तकनीकी खराबी आ जाने से गुड़ामालानी के सिंधासवा गांव के खेल मैदान में इमरजेंसी लैंडिंग करने पड़ी। हेलीकॉप्टर में पायलट सहित तीन एयरफोर्स के जवान मौजूद थे।

हेलीकॉप्टर देखकर आसपास के लोगों के लिए कोतूहल का विषय बन गया। सूचना मिलने पर गुड़ामालानी पुलिस मौके पर पहुंची। पायलट जवानों ने हेलीकॉप्टर की तकनीकी खराबी को ठीक करने लगे। करीब 15 मिनट एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर मैदान में खड़ा रहा। गुड़ामालानी थानाधिकारी सूरजाराम जाखड़ के मुताबिक एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के चलते इमरजेंसी लैंडिंग की। करीब 15 मिनट बाद तकनीकी खराबी सही करके वापस उडान भर दी। एयरफोर्स के पायलट लैंडिंग करने के बाद करीब 15 मिनट में तकनीकी खराबी को ठीक कर दिया। इसके बाद पुलिस के जवानों ने ग्रामीणों की भीड़ को दूर किया। इसके बाद सावधानी से पायलट ने फिर से हेलीकॉप्टर की उडान भरी।

बारिश होने से किसानों में खुशी

जोधपुर, (कासं)। लौट रहा मानसून लंबे समय बाद फिर प्रदेश में सक्रिय हो गया है। बंगाल की खाड़ी पर बने कम दबावी क्षेत्र से मानसून की मेहर फिर प्रदेश पर बनी है, जोकि आगामी चार–पांच दिनों तक बनी रहेगी। प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हो सकती है। इधर इस कम दबावी क्षेत्र का असर मारवाड़ पर देखने को मिला। जोधपुर शहर और आसपास गांवों में सुबह से ही घटाटोप छाया हुआ है। रूक रूक कर शहर और आस पास के गांवों में बारिश होने से किसानों के चेहरे खिल गए।

गुरूवार को छाए बादलों और बारिश से मौसम सुहावना बना हुआ है। भीषण गर्मी और उमस की मार झेल रहे मारवाड़वासियों को आज काफी राहत महसूस की गई। हालांकि बुधवार का तापमान 35 डिग्री होने पर कुछ गर्मी और उमस से राहत मिली थी, फिलहाल आसमां पर बादल छाए होने के साथ मौसम खुशनुमा बना हुआ है। जिले के लूणी कस्बा क्षेत्र में सुबह अच्छी बारिश होने के साथ खेतों में पानी भी भर गया। एक बार फिर मानसून की सक्रियता बनने से किसानों के चेहरों पर रौनक ला दी है। हालांकि कई कृषकों ने खरीफ की कटाई करनी शुरू कर दी है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

राशिफल शुक्रवार 15 सितम्बर, 2023

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शुक्रवार, विक्रम संवत 2080, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र शनिवार प्रातः 7:36 तक, शुभ योग रात्रि 3:41 तक, नाग करण प्रातः 7:10 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:36 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–कन्या, बुध–सिंह, गुरू–मेष, शुक्र–कर्क, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज बुध मार्गी रात्री 1:50 से होगा। आज देव कार्य अमावस्या, जीवंतिका पूजन और शहादते हसन (मु.) है। आज अमावस्या तिथि में वृद्धि हुई है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 7:47 तक, लाभ–अमृत 7:47 से 10:50 तक, शुभ 12:22 से 1:54 तक, चर 6:50 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:16, सूर्यास्त 6:29

मेष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनः स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में आज संतुलन बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मकर
कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

भाजपा परिवर्तन यात्रा का जगह-जगह फूल बरसाकर व आतिशबाजी कर अभिनंदन

राजस्थान में जनता ने सरकार बदलने बना लिया है मानसः राठौड़

सादुलपुर, (निसं)। भाजपा के प्रदेश नेतृत्व की ओर से निकल जा रही परिवर्तन संकल्प यात्रा गुरुवार को सादुलपुर पुहंची। तथा भाजपा जिंदाबाद तारों के साथ कार्यकर्ताओं ने यात्रा की अगवानी की। भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय भाजपा नेताओं, दावेदारों की ओर से यात्रा का शानदार स्वागत कर शक्ति प्रदर्शन किया गया।

तारानगर पुलिया के पास भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एडवोकेट ओमप्रकाश खीचड के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जैसे ही यात्रा पहुंची तो जे.सी.बी. मशीन से फूल बरसा कर अभिनंदन किया गया। इससे पूर्व सादुलपुर सीमा में प्रवेश करने पर 51 ट्रैक्टरों की रैली के साथ यात्रा की अगवानी की गई। अंबेडकर सर्किल पर डॉ कौशल पूनिया के नेतृत्व में तथा चूरू सडक पर श्याम सुंदर सुदेश स्वामी गगगडवास के कार्यकर्ताओं की ओर से यात्रा की अगवानी कर अभिनंदन किया गया। कृषि उपज मंडी में जैसे ही यात्रा पहुंची तो यात्रा का स्वागत आतिशबाजी कर ओर फूल बरसाकर किया गया। इस अवसर पर प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड ने कहा कि राजस्थान में जनता ने सरकार परिवर्तन करने का मानस बना लिया है तथा प्रदेश की जनता वोट की चोट से कांग्रेस को सबक सिखाने का काम करेगी।

सादुलपुर पहुंची भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा की कार्यकताओं ने अगवानी की।

कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वर्तमान समय में पंगु बने बैठे हैं, सरकार में शामिल मंत्री और विधायक लूट करने में लगे हुए हैं। लेकिन मुख्यमंत्री बोल नहीं पा रहे हैं। चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में चल रही भ्रष्टाचार की आंधी को रोकने के साथ-साथ देश को विश्व शक्ति बनाने का काम किया है। चौधरी ने कहा कि राजस्थान में परिवर्तन यात्रा को अपार समर्थन मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों और उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष हरलाल सारण, रतनगढ के विधायक अभिनेष महर्षि, जिला प्रमुख वंदना आर्य आर्य ने भी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार को उखाड फेंकने पर बल दिया।

युवक से मारपीट का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ थाना पुलिस ने शादी की पार्टी में शामिल होने आए एक व्यक्ति के साथ लाठियों व सरियो से मारपीट करने के आरोप का मामला दर्ज किया है। राजगढ थाने में आजम खान खींची निवासी वार्ड नंबर 25 पुलिस थाना राजगढ जिला चूरु ने हाजिर थाना होकर इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि 13 सितंबर को रात्रि को वह नरडियाँन सामुदायिक भवन में जीवन खा के यहां शादी की पार्टी में गया हुआ था। पार्टी में शामिल होने के बाद जैसे ही उसने बाहर निकलकर अपनी मोटरसाइकिल को स्टार्ट किया तो आरोपी अरबाज तंवर व शाहरुख तंवर ने आकर जबरदस्ती से उसकी मोटरसाइकिल की चाबी छीन ली तथा थप्पड मुक्कों से मारपीट करने लगे, तभी पीछे से उन्ही का भाई सहबाज तवंर पुत्र असगर तवंर, फरदीन गहलोत, समीर पठान, नौशाद गहलोत आदि हाथों में लाठियां व सरिये लेकर आये व एकराय होकर उसके साथ मारपीट की, जिससे उसका सीर फुट गया, कमर में चोट लगी, हाथ व दोनों पैरों पर सरियों से चोटे मारी, जिससे उसके पैर की पिंडली फट गई। तभी शादी में शामील होने आये इरफान पुत्र हनीफ चौहान, निसार उर्फ कालू ने आकर उसे छुडवाया।

450 माइक्रो ऑब्जर्वर्स नियुक्त किये

सीकर, (निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ स्वामी ने आदेश जारी कर विधानसभा आम चुनाव 2023 स्वच्छ, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष संपादन के लिए भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशानुसार सीकर जिले में अवस्थित आठों विधानसभा क्षेत्रों के लिए चिन्हित भयग्रस्त क्षेत्रोंए संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर सामान्य पर्यवेक्षक के पर्यवेक्षण में कार्य सम्पादन के लिए 450 माईक्रो ऑबजर्वर्स नियुक्त किये हैं।

नियुक्त माईक्रो ऑबजर्वर्स का विधानसभा चुनाव के अन्तर्गत विधिवत कार्य सम्पादन पर्यवेक्षण के लिए प्रशिक्षण जिला परिषद सभागार सीकर में 17 सितम्बर 2023 को क्रमसंख्या एक से लेकर 150 तक का दोपहर 2 बजे एवं 18 सितम्बर को प्रातः 10 बजे क्रम संख्या 151 से लेकर 300 तक तथा दोपहर 2 बजे क्रम संख्या 301 से लेकर 450 तक का प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने नियुक्त माइक्रों ऑबजर्वर्स को निर्देशित किया है कि आप प्रशिक्षण में आवश्यक रूप से उपस्थित रहे एवं प्रशिक्षण में उपस्थिति के दौरान अपनी पासपोर्ट साईज की एक रंगीन फोटो साथ लेकर आवें ताकि पहचान पत्र बनवाया जा सके तथा अपना मतदाता पहचान पत्र या इसकी प्रति भी साथ लाना सुनिश्चित करें।

आरोपी को भेजा जेल

बीदासर, (निसं)। बीदासर न्यायिक मजिस्ट्रेट मनमोहन चंदेल ने चैक अनादरण के वर्ष 2020 के एक प्रकरण में अभियुक्त को एक वर्ष कारावास एवं दो लाख बीस हजार की प्रतिकर राशि से दण्डित फरमाया है। परिवादी के अधिवक्ता अरविन्द चौधरी ने बताया कि अभियुक्त राकेश ने परिवादी विकास से एक लाख पचास हजार रुपये उधार ले रखे थे जिसके एवज में आरोपी ने परिवादी को एक चेक सौंपा। लेकिन आरोपी के खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण चेक अनादरित हो गया और आरोपी ने परिवादी को रुपये नहीं लौटाए।

खोया-पाया

मेरी खरीदशुदा भूमि जरिये इकरारनामा दिनांक 03.01.1992 खरीद के बाद तीजा बेवाह तोलाराम निवासी राजगढ़ से सुखदेवा राम पुत्र अमरू जाति मेघवाल निवासी राजगढ़ तक के चैन दस्तावेज जिसका खसरा नं. 444/81 में से तादादी 1000 दरगज है, जो वार्ड नं. 27, सुडा मार्केट, गुलपुरा मोड़ कस्बा राजगढ (चूरू) में स्थित है, के दस्तावेज कहीं गुम हो गये हैं। मिलने पर नगरपालिका कार्यालय राजगढ (चूरू) में जमा करवा दूंगा।

प्रार्थी/सूचनाकर्ता
तुलसी राम पुत्र श्री मोहन लाल जाति मेघवाल निवासी वार्ड नं. 27, सुडा मार्केट गुलपुरा मोड़, कस्बा राजगढ तह. राजगढ जिला चूरू (राज.)

खोया-पाया

मेरे द्वारा जरिये इकरारनामा दिनांक 31.12.1993 को एक भूखंड खसरा नंबर 924 में जिसकी तादादी 800 दर गज है, गुगन राम कोठारी पुत्र श्री लाल कोठारी से खरीद किया हुआ है। जिसकी खातेदार अणची पत्नी कानाराम जाति ब्राह्मण निवासी राजगढ़ से गुगनराम कोठारी पुत्र श्री लाल कोठारी जाति जाट निवासी राजगढ़ की खरीद का इकरारनामा कहीं गुम हो गये हैं। मिलने पर नगरपालिका कार्यालय राजगढ (चूरू) में जमा करवा दूंगी।

प्रार्थी/सूचनाकर्ता
श्रीमती राधा देवी पत्नी रमाकांत शर्मा वार्ड नंबर 16 सुभाष नगर कस्बा राजगढ़ जिला चूरू (राज.)

खोया-पाया

मेरे पिताजी जले सिंह पुत्र दीपचंद जाति जांगिड़ द्वारा जरिये इकरारनामा दिनांक 30.07.2012 को एक भूखंड खसरा नंबर 923 में जिसकी तादादी 600 दर गज है, इंदर सिंह पुत्र भानीराम के वारिसान से खरीद किया हुआ है। जिसकी खातेदार सज्जन कुमार मोहनलाल हिम्मतराम पुत्र गजानंद जाति नाई निवासी राजगढ़ से इंदर सिंह पुत्र भानीराम निवासी राजगढ़ की खरीद का इकरारनामा कहीं गुम हो गया हैं। मिलने पर नगरपालिका कार्यालय राजगढ (चूरू) में जमा करवा दूंगा।

प्रार्थी/सूचनाकर्ता
जितेंद्र पुत्र श्री जले सिंह जांगिड़ निवासी कान्धरान तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.)

बॉक्सिंग चैंपियनशिप में ओ.पी.जे.एस. यूनिवर्सिटी ने जीता गोल्ड मेडल

सादुलपुर, (निसं)। ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के शानदार सफर के चलते यूनिवर्सिटी के बीए के छात्र मयूर ने खेलो इंडिया नॉर्थ ओपन टैलेंट हंट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। मयूर ने 86 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है।

खेलो इंडिया नॉर्थ ओपन टैलेंट हंट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन हरियाणा के रोहतक के राजीव गाँधी खेल परिसर के साई बॉक्सिंग सेंटर में 4 सितंबर से 13 सितंबर तक हुआ। वहीं मयूर की इस कामयाबी पर ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के फाउंडर डॉ. जोगेंद्र सिंह, चेयरमैन डॉ. राकेश सेहरावत, वाइस चांसलर डॉ. चंद्रमोहन राजोरिया और रजिस्ट्रार डॉ. रुपेंद्र सिंह उदावत ने शुभकामनाएं दी। फाउंडर डॉ जोगेंद्र सिंह ने कहा कि ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के खिलाडियों का खेलों में लगातार अच्छा प्रदर्शन रहा है। ओपीजेएस यूनिवर्सिटी ने पिछले साल खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंक तालिका में 17 वां स्थान हासिल किया था। इंडिया में टॉप-20 में जगह बनाने वाली ओपीजेएस यूनिवर्सिटी राजस्थान की पहली यूनिवर्सिटी थी।

वहीं राजस्थान में ओपीजेएस यूनिवर्सिटी पहले स्थान पर रही थी। ज्ञातव्य है कि खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में ओपीजेएस यूनिवर्सिटी ने महिला कुश्ती में पहला स्थान हासिल किया था। इसके अलावा ओपीजेएस यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते है। साथ ही उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी में खेलों के लिए हर आधुनिक तकनीक को आजमाया जा रहा है, इसलिए खेलों में लगातार अच्छा प्रदर्शन खिलाडी कर रहे हैं। मयूर ने अपनी इस कामयाबी के लिए ओपीजेएस यूनिवर्सिटी में खेलों के लिए अच्छी सुविधा और कोच विकास मलिक को श्रेय दिया।

बीए के छात्र मयूर का हरियाणा में आयोजित खेलो इंडिया नॉर्थ ओपन टैलेंट हंट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने पर सम्मान किया।

200 राजस्व गांवों को बाल विवाह मुक्त करवाएंगे

चूरू, (कासं)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल चूरू में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के सहयोग से संचालित एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रन फेस टू परियोजना के तहत कम्युनिटी सोशल वर्कर के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें परियोजना की जिला समन्वयक रुकैया पठान के द्वारा इस माह में किए गए कार्य की प्रगति रिपोर्ट ली गई। साथ ही चूरू के 200 राजस्व गांवों को बाल विवाह मुक्त करवाने का संकल्प लेकर चलाएं जा रहे बाल विवाह रोकथाम जन जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में चर्चा की। बैठक में रेड एंड रेस्क्यू कोऑर्डिनेटर कपिल भाटी ने इस माह के कार्य की कार्य प्रणाली बताई। साथ ही ग्रामीण समुदाय में जाकर अधिक से अधिक बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम करने हेतु प्रेरित किया। बैठक में परियोजना की काउंसलर पूनम सिसोदिया, सपोर्ट पर्सन रिजवान खान, कम्युनिटी सोशल वर्कर हनुमान, राकेश कला आदि उपस्थित रहे।

अपहृत किशोरी को पुलिस ने दस्तयाब किया

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ थाना क्षेत्र के एक गांव से 27 फरवरी 2023 एक किशोरी को दुध लाते समय जबरन उठाकर ले जाने के आरोप के दर्ज मामले में राजगढ थाना पुलिस ने किशोरी को दस्तयाब करने में बडी सफलता हासिल की है। तत्पश्चात बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश कर काउंसलिंग करवाने के बाद परिजनों को सुपूर्द कर दिया है।

वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अपहरत किशोरी को राजगढ थाने के एएसआई रामनिवास राव ने मय पुलिस टीम के लीलाराम कास्टेबल व सुनिता कास्टेबल के सहयोग से साढे छः माह के अन्तराल के बाद कडी मसकत के चलते हजारी बाग झारखण्ड से दस्तयाब किया गया है तथा राजगढ थाना पुलिस ने किशोरी को दस्तयाब करने के बाद स्वास्थ्य परिक्षण करवाया। तथा किशोरी का स्वास्थ्य परिक्षण करवाने के बाद राजगढ थाना पुलिस ने उसे बाल कल्याण समिति चूरू के समक्ष पेश किया, जहाँ से समिति की शर्मिला पूनियां के समक्ष किशोरी की काउंसलिंग करवाई गई तथा काउंसलिंग के दौरान किशोरी द्वारा अपने परिजनों के साथ जाने की इच्छा जाहिर करने पर बाल कल्याण समिति ने दस्तयाब की गई किशोरी को उनके परिजनों को सुपूर्द कर दिया है तथा अब किशोरी का मेडिकल करवाया जायेगा तथा न्यायालय में 164 में बयान दर्ज करवाये जायेंगे। प्रकरण का अनुसंधान राजगढ थानाधिकारी सुभाष चन्द्र ढील पुलिस निरीक्षक द्वारा किया जा रहा है।

गौरतलब है कि 28 फरवरी 2023 को किशोरी के पिता ने राजगढ थाने में इस आरोप का मामला दर्ज करवाया था कि उसकी पुत्री की उम्र 17 वर्ष है, जो कि कक्षा 12वीं में अध्ययनरत है। जो 27 फरवरी 2०23 को समय सांय 8 बजे दुध लाने के लिए बाहर गई थी तभी उसकी पुत्री को आरोपी रोहताश पुत्र हरिसिंह पूनियां जाट निवासी झाडसर छोटा व उसके साथ रमेश उर्फ धोलिया निवासी भामासी जबरन उठाकर ले गये।

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 24/2023

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री राजीव के. पोदार पुत्र श्री कांतिकुमार आर.पोदार निवासी 10, पोदार हाऊस मरीन ड्राईव, मुम्बई-400020 द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास दी आनन्दीलाल पोदार ट्रस्ट, नवलगढ जिला झुंझुनू में श्री कांति कुमार आर पोदार के स्वर्गवास के कारण उनके स्थान पर श्री सुधांशु कासलीवाल को ट्रस्टी रूप में दर्ज अभिलेख करने तथा श्रीमती स्नेहलता के पोदार के स्वर्गवास होने के कारण उनका नाम दर्ज अभिलेख से हटाने के संबंध में न्यासियों में हुये उक्त परिवर्तन को दर्ज अभिलेख कराने हेतु जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुवे परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 12.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइन्दा तारीख पेशी 17.10.2023

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 27/2023

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री महेन्द्र कुमार पारासर, श्री जीणमाता मंदिर ट्रस्ट ग्राम जीण तहसील दांतारामगढ जिला सीकर द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास श्री जीणमाता मंदिर ट्रस्ट ग्राम जीण तहसील दांतारामगढ जिला सीकर में औसरा परिवर्तन उपरान्त नवीन न्यासियों के नाम दर्ज अभिलेख कराने हेतु जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुवे परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 12.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइन्दा तारीख पेशी 17.10.2023

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर

हिंदी साहित्य की चार विभूतियां सम्मानित

- हिंदी साहित्य संसद की ओर लोक संस्कृति शोध संस्थान नगरश्री चूरू के सभागार में भव्य समारोह आयोजित

चूरू, (कासं)। हिंदी साहित्य संसद की ओर से गुरुवार को लोक संस्कृति शोध संस्थान नगरश्री चूरू के सभागार में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदेश के चार ख्यातनाम पत्रकार, साहित्यकार और समाजसेवियों को साहित्य साधना के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार और लेखक बाल मुकुंद ओझा चूरू को जन कवि प्रदीप शर्मा समृति साहित्य सम्मान से, डॉ गोपाल गर्ग अजमेर को रामा देवी भगीरथ प्रसाद साहित्य सम्मान से, हनुमान कोठारी चूरू और राजेंद्र शर्मा अलवर को अमृत उत्सव विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मानित साहित्यकारों को अतिथियों ने शाल ओढ़ाकर, सम्मान पत्र, नकद राशि, श्री फल, पदक आदि प्रदान कर अलंकृत किया। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार बाल मुकुंद ओझा ने कहा कि जन कवि प्रदीप शर्मा कवि, लेखक, पत्रकार के साथ जनता के नुमाईंदे भी थे। प्रदीप शर्मा के साथ अपने संस्मरणों को सुनाते हुए ओझा ने कहा कि उन्होंने पत्रकारिता और लेखन के जरिये उनमें छिपी प्रतिभा को तराशकर न केवल उकेरा अपितु इस पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। ओझा ने बताया कि प्रदीप शर्मा द्वारा 75 वर्ष पूर्व स्थापित हिंदी साहित्य संसद ने विभिन्न पुरस्कारों के जरिये देश और प्रदेश के साहित्यकारों को प्रोत्साहित-सम्मानित कर उनका मान सम्मान बढ़ाया है जो आज के समय में एक दुर्लभतम उदहारण है। यह कार्य हिंदी साहित्य में मील का पत्थर है।

समारोह में हिंदी साहित्य संसद के अध्यक्ष बनवारी खामोश, सचिव विजय कांत शर्मा, वरिष्ठ समीक्षक चंद्र प्रकाश ढंढ, समाज सेवी गोपीराम हारित, राजू सिंघी आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के संयोजक प्रो कमल कोठरी ने सम्मानित विद्वत जनों का परिचय दिया।

परामर्श शिविर आयोजित

चूरू, (कासं)। जिला परिवहन कार्यालय में राजस्थान मिशन-2030 को लेकर परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिला परिवहन अधिकारी ओमसिंह शेखावत ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देशानुसार राजस्थान को वर्ष 2030 तक देश का अग्रणी राज्य बनाने के उद्देश्य से विकसित राजस्थान हेतु विजन राजस्थान 2030 तैयार किया जा रहा है। इस अवसर पर बस ऑपरेटर एसोसिएशन, ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, मोटर ड्राईविंग स्कूल एसोसिएशन, प्रदुषण नियंत्रण केन्द्र संचालक, टैक्सी ऑटो ऑपरेटर एसोसिएशन व अन्य हितधारकों ने भाग लिया। हितधारकों द्वारा परिवहन एवं सडक सुरक्षा से संबंधित अनेक प्रकार के सुझाव जैसे लोक परिवहन बसों, ग्रामीण रूट की बसों में टैक्स की छूट, फिटनेस और रिनेवल पेनल्टी में छूट, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना, सड़क सुरक्षा हेतु सामुदायिक पहल को अपनाना आदि सुझाव दिये। इस अवसर पर परिवहन निरीक्षक कैलाश स्वामी, चन्द्रशेखर शर्मा, लेखाधिकारी सत्यपाल सिंह, अति प्रशासनिक अधिकारी भंवरलाल, विजय सैनी सहित स्टॉफ सदस्य उपस्थित थे।

चिकित्सक के साथ दुर्व्यवहार मामले में जांच कमेटी गठित

- डॉ. डूडी ने नशे की हालात में अन्य चिकित्सक से की थी मारपीट
- सीएचसी प्रभारी डॉ.मनीराम डूडी को ए.पी.ओ. किया

बीदासर, (निसं)। राजकीय गोवर्धन प्रसाद टांटिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी डॉ. मनीराम डुडी द्वारा बुधवार को एक अन्य चिकित्सक के साथ मारपीट व नशे में अभद्र व्यवहार करने के मामले को लेकर बुधवार को सीएचसी के कार्मिको द्वारा किये गये विरोध-प्रदर्शन के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमएचओ मनोज शर्मा ने जांच कमेटी गठित कर जांच पूर्ण होने तक डॉ. मनीराम डुडी को सीएचसी प्रभारी पद से हटाकर मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय रतनगढ में उपस्थिति देने के निर्देश दिये है।

वही घटना के विरोध में सीएचसी स्टॉफ द्वारा कार्य बहिष्कार करने व धरना प्रदर्शन करने चलते रोगियों को हो रही परैशानी के बाद स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारी हरकत में आये। तथा अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी देवकरण गुरावा व सुजानगढ के बीसीएमएचओ राजेश वर्मा ने बुधवार देर शाम पहुंचकर पीडित चिकित्सक व अन्य स्वास्थ्य कार्मिकों से लगभग एक घण्टे तक वार्ता की। सौहार्दपूर्ण हुई वार्ता में एसीएमएचओ गुरावा द्वारा प्रभारी चिकित्सक के खिलाफ कार्यवाही का आश्वासन देने पर कार्मिको ने धरना प्रदर्शन हटाकर स्वास्थ्य सेवा में जुट गये। वही रतनगढ़ के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने देर रात्रि को आदेश जारी कर सीएचसी प्रभारी चिकित्सक के खिलाफ जाँच कमेटी गठित कर पॉच दिवस में पुरे प्रकरण की संयुक्त रूप से जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है।

जाँच कमेटी में उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवकरण गुरावा व सुजानगढ़ के खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश कुमार वर्मा को प्रकरण की जांच हेतु लगाया गया है। तथा चिकित्सा प्रभारी मन्नीराम डुडी को हटाकर रतनगढ़ के मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में उपस्थिति देने के निर्देश दिये है। वही डुडी को रतनगढ लगाने के बाद सीएचसी प्रभारी का कार्यभार डॉ. नितिश इसरान को सौपा गया है। गौरतलब है कि गुरुवार की सुबह डॉ. नितीश अपने कक्ष में रोगियों को देखने का कार्य कर रहे थे तब अचानक प्रभारी चिकित्सक डॉ. डुडी ने ओटी में डॉ. नितिश को बुलाकर रोगी के टांके लगाने की बात को लेकर धक्का मुक्की करते हुये अभद्र व्यवहार किया।

जिसके बाद सीएचसी के सभी कार्मिक एकजुट होकर डुडी की कार्यशैली के विरोध में पुरे दिन बुधवार को धरने पर बैठकर डुडी के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुये प्रदर्शन किया। जिससे चिकित्सा व्यवस्था बुरी तरह लडख़डा गई तथा अस्पताल में आये रोगियों को दर-दर की ठोकरें खाने को मजबुर होना पड़ा।

प्रारूप-10

(नियम 6(7) देखिए)

कार्यालय नगरपालिका भादरा, जिला-हनुमानगढ़ (राज.)

क्रमांक :- नपाभा/भूमि/2023-24/3728-3729 दिनांक 13.09.2023

-: लोक सूचना :-

श्री अइगी राणा पुत्र श्री सुभाष चन्द्र जाति मेघवाल निवासी वार्ड नं. 01 भादरा तहसील भादरा जिला हनुमानगढ़ ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (आवासीय) उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
तहसील भादरा जिला हनुमानगढ	चक/गांव भादरा खास	खसरा संख्या 52 की कुल भूमि 1.0750 है. यानि 10750 वर्ग मीटर है	कुल-115562.5 वर्ग फुट वर्ग मीटर -10750

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू- राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के अंदर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आदिनांक .... को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका भादरा

परिवर्तन संकल्प यात्रा रथ पहुंचा तारानगर, हुई विशाल जनसभा

- जगह-जगह पुष्प वर्षा से हुआ रथ का भव्य स्वागत

तारानगर, (निसं)। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा रथ गुरूवार को तारानगर पहुंचा एवं क्षेत्र के कृषि मंडी में विशाल जनसभा हुई। सभा को सम्बोधित करते हुए चूरू सासंद राहुल कस्वां ने कहा वर्तमान सरकार में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है, किसी भी विभाग में जाओ पैसे के बिना कोई काम नहीं होता। सरकारी भूमि पर कब्जे हो रहे है। अवैध पट्टे बनाये जा रहे है।

इस सरकार के कुछ दिन शेष बचे है। आने वाले समय में जनता इसका जवाब जरूर देगी। सभा को सम्बोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कांग्रेस सरकार में आमजन दुखी है। कोंठोस सरकार झूठ व लूट की सरकार है। कर्जामाफ़ी के नाम पर किसानों के साथ धोखा किया। इस सरकार के गिनती के दिन ही बाकी रहे है। आने वाली भाजपा की सरकार होगी और तारानगर को फिर से स्टार सिटी बनाने का काम करेंगे। राठौड ने विधानसभा प्रत्याशी राकेश जांगिड़ पर फोकस करते हुए कहा जांगिड पिछले साढे चार साल में लगातार हर दुख सुख में लोगों के बीच रहकर सेवा कर रहा है और आने वाले समय में भी राकेश जैसा कोई आएगा और तारानगर फिर से महकने लगेगा। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा केंद्र सरकार की बदौलत किसानों के बीमा क्लेम आया है।

केंद्र सरकार किसानों की हर सम्भव सहायता के लिए तैयार है। विधानसभा प्रत्याशी राकेश जांगिड़ ने विशाल जनसभा में दूर दराज व आस पास के क्षेत्र से पधारे सभी लोगों का आभार व्यक्त किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया

मंच पर विराजमान पार्टी के पदाधिकारी।

जगह जगह पुष्प वर्षा से रथ का हुआ भव्य स्वागतः- तारानगर क्षेत्र में पहुँचने पर परिवर्तन संकल्प यात्रा का सैकडों जगह भव्य स्वागत हुआ तो वहीं सात्युँ सर्किल पर अलबेला खान के नेतृत्व में सैकडों लोगों ने यात्रा का पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत किया एवं भाजपा जिंदाबाद, राजेंद्र राठौड़ जिंदाबाद के जमकर नारे लगाये।

स्वागत कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष राठौड ने कहा यात्रा का जो भव्य स्वागत किया गया वो काबिले तारीफ़ है वो हमेशा मेरे दिल में रहेगा क्योंकि ऐसा अनोखा स्वागत पहले कभी नहीं हुआ, इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि भाजपा के प्रति लोगों में कितना प्यार है। इस मोके पर संभाग प्रभारी सीआर चौधरी, प्रदेश महा मंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला, जिलाध्यक्ष हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, रतनगढ़ विधायक अभिनेश महर्षि, जिला संगठन प्रभारी राम गोपाल सुथार, जिला यात्रा सयोंजक चंद्राराम गुरी, जोधपुर किसान मोर्चा संभाग प्रभारी महावीर पूनियाँ, रतनसिंह राठौड़, जिप सदस्य तिलोकाराम कस्वां, मंडल अध्यक्ष लीलाधर प्रजापत, प्रोफेसर दलीप पूनियाँ, नगर अध्यक्ष विशाल शर्मा, भंवरलाल पूनियाँ विधानसभा सयोंजक अजीत सिंह राठौड़, जमरदिन तेली, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष अयूब पटवा, मोहम्मद तैयब, हरी इंदौरिया सहित हजारों लोगों का जनसैलाब विशाल जन सभा में उपस्थित हुए।

हिंदी दिवस मनाया

चूरू, (कासं)। स्थानीय राजकीय सार्वजनिक जिला पुस्तकालय में गुरुवार को हिंदी दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहित्यकार नारायण सिंह दिलचस्प थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुस्तकालयध्यक्ष राधेश्याम कस्वां ने की। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नत्थूराम हारित व एडवोकेट प्रमोद कुमार भाटी थे।

इस अवसर पर नारायण सिंह ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है। हम सबको इसकी ओर अग्रसर होकर हिंदी को बढ़ावा देना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पुस्तकालयध्यक्ष राधेश्याम कस्वां ने कहा कि हिंदी आज की आवश्यक भाषाओं में एक है। उन्होंने कहा कि हिन्दी के बिना ज्ञान अधूरा है क्योंकि हिन्दी लेखकों का अभिमान है। इस अवसर पर राकेश कुमार, मोनिका प्रजापत, मनीषा, मुस्कान, पिंकी, रेणुका, दिव्या, कांता, चाहत, यशवंत, मोहित, पवन, जयप्रकाश, सरोज, चंद्रकला सहित पाठक व शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे। पुस्तकालयध्यक्ष राधेश्याम कस्वां ने आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

प्रारूप-10

(नियम 6(7) देखिए)

कार्यालय नगरपालिका भादरा, जिला-हनुमानगढ़ (राज.)

क्रमांक :- नपाभा/भूमि/2023-24/3680 दिनांक 12.09.2023

-: लोक सूचना :-

श्री श्याम पाठशाला समिति, भादरा जरिये अध्यक्ष श्री रवि शंकर पुत्र श्री धनराज जाति ब्राह्मण निवासी वार्ड नं. 23 भादरा तहसील भादरा जिला हनुमानगढ़ ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (चिकित्सा) उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
तहसील भादरा जिला हनुमानगढ	चक07 बीएचडी	मुरब्बा नं. 13 के किला नं. 13, 14, 17 व 18 की कुल भूमि 1.012 है. में से किला नं. 13 व 18 की कुल भूमि 0.506 है. यानि 5060.40 वर्गमीटर है।	कुल-54450 वर्ग फुट वर्ग मीटर -5060.40

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू- राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के अंदर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आदिनांक 12.09.2023 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका भादरा

हथियारबंद बदमाशों ने घर में घुसकर गोलियां चलाई, एक की मौत

एक गंभीर रूप से घायल, हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर के लिए रेफर किया

- कामां थाना पुलिस ने सतवास गांव से एक आरोपी को गाड़ी सहित पकड़ा
- बदमाशों ने मामा के घर आए दो युवकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी

कामां, (निसं)। बुधवार को दिनदहाड़े जुरहरा थाना क्षेत्र के गांव बांदीपुर में कार में सवार होकर आधा दर्जन बदमाशों ने मामा के घर आए दो युवकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी जिसमें एक युवक की मौत हो गई और दूसरा जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। गांव में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग के बाद अफरा-तफरी माहौल हो गया। कामां थाना पुलिस ने सतवास गांव से एक आरोपी को गाड़ी सहित पकड़ने में सफलता हासिल की है जिसे जुरहरा पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार जुरहरा थाना क्षेत्र के गांव बांदीपुर में दिनदहाड़े स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर आधा दर्जन के करीब हथियारों से लैस बदमाश पहुंचे। अमर सिंह पुत्र कमल के मकान में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। मकान के अंदर मौजूद कुलदीप एवं सागर दोनों भाइयों पर फायरिंग की। फायरिंग से दोनों लहूलुहान हालत में छोड़कर सतवास गांव की तरफ कर में सवार होकर भाग गये। दोनों घायलों को कामां के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसमें चिकित्सकों ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया गया तथा सागर की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया।

फायरिंग की सूचना के बाद गांव में मची अफरातफरी के बाद सतवास गांव के ग्रामीणों ने कार को रोक लिया और उसमें से एक बदमाश को पकड़ कर जमकर ठुकाई लगा दी। कामां थाना पुलिस ने सतवास गांव पहुंचकर बदमाश को हिरासत में लेकर कामां थाने ले आए और जुरहरा पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। फायरिंग की घटना की सूचना मिलते ही मेवात के पुलिस अधिकारी भी हरकत में आ गए और थोड़ी ही देर में पूरा गांव छावनी में तब्दील हो गया।

छेड़छाड़ के आरोपी को पांच वर्ष का कठोर कारावास

धौलपुर, (निसं)। विशेष न्यायालय पॉक्सो कोर्ट धौलपुर ने जिले के सरमथुरा पुलिस थाना पर दर्ज हुए 11 वर्षीय नाबालिग के साथ छेड़छाड़ और उसके परिजनों के साथ मारपीट के मामले में एक मुल्जिम को दोषी करार देते हुए उसे पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 51 हजार रूपये के जुर्माने से दण्डित किया है।

विशेष न्यायालय पॉक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक संतोष मिश्रा ने बताया कि धौलपुर जिले के सरमथुरा पुलिस थाना पर एक परिवादी ने 18 नवम्बर 2019 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें उसने बताया कि उसकी 11 वर्षीय नाबालिग पुत्री 13 नवंबर 2019 को शाम के वक्त बाजार से अपने घर आ रही थी तो रास्ते में तीन लडकों ने उसके साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत की। नाबालिग लडकों के चंगुल से छूट कर अपने घर में घुसने लगी तो एक लडके ने नाबालिग का हाथ पकड़ कर उसे खींच लिया। नाबालिग के चिल्लाने पर घर में मौजूद उसकी मां और भाई उसे बचाने के लिए बाहर आये तो तीनो लडकों ने मां और भाई की बेरहमी से मारपीट कर दी।

हमले में मां और भाई गंभीर घायल हो गए। जिसमें पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अनुसन्धान के दौरान दो लड़कों को बाल अपचारी मान कर उन्हें निरुद्ध कर प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट धौलपुर के समक्ष पेश किया। जबकि मुल्जिम कल्ला उर्फ़ कल्याण को पुलिस ने गिरफ्तार कर पॉक्सो न्यायालय में पेश किया जो न्यायालय से जमानत पर चल रहा है। मामले में लोक अभियोजक मिश्रा ने कोर्ट में 22 गवाह पेश किये। प्रकरण में न्यायाधीश जमीर हुसैन ने दोनों पक्षों की बहस और लोक अभियोजक की दलील सुनने के बाद गुरूवार को मुल्जिम कल्ला उर्फ़ कल्याण को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर की एक कॉलोनी में आठ वर्षीय बालिका से दुष्कर्म करने के आरोपी युवक धर्मेंद्र यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना की जांच कर रहे डीएसपी (अजा/जजा) संजीव चौहान ने बताया कि आरोपी धर्मेंद्र यादव को हिरासत में ले लिया गया। उसे गुरुवार अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड मांगा जाएगा। पीड़ित बालिका अब भी जिला अस्पताल में उपचाराधीन है।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिवारजनों तथा आसपास के लोगों से घटना की जानकारी जुटाई। जांच अधिकारी के अनुसार धर्मेंद्र यादव मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी है, जो थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहता है। उसने इस कॉलोनी में एक नोहरा दूध डेयरी चलाने के लिए किराए पर ले रखा है। इस नोहरे में उसने तीन-चार गाय पाल रखी हैं। इसी नोहरे के एक कमरे में पीड़ित बालिका का परिवार रहता है। बालिका का पिता मजदूरी और मां घरों में साफ-सफाई का काम करती है। दुष्कर्म की घटना 9 सितंबर की है।

महिला के साथ दुष्कर्म

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के एक गांव की रहने वाली महिला ने महिला थाना धौलपुर में नामजद आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज कराया है। जिसमें आरोपी पर कट्टे की नोंक पर दुष्कर्म करने और 20 हजार रुपए तथा मंगलसूत्र ले जाने का आरोप लगाया है। दर्ज कराए गए मामले में बताया गया है कि 11 सितंबर की रात को महिला अपने तीन बच्चों के साथ घर में सो रही थी। इसी दौरान रात करीब 12 बजे सोनू जाटव नाम का आरोपी उसके कमरे में घुस आया। जहां उसने महिला के सीने पर कट्टा रखकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। साथ ही आरोपी घर में रखे 20 हजार रुपए और महिला का मंगलसूत्र छीन कर ले गया। पीड़ित महिला के अनुसार घटना के समय उसका पति मजदूरी करने के लिए घर के बाहर गया हुआ था। जिस वजह से वह अपने बच्चों के साथ कमरे में अकेली सो रही थी। पति के लौटने के बाद उसने थाने में नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

खनन विभाग की टीम पर हमला, पकड़ा हुआ ट्रैक्टर छुड़ा ले गए खनन माफिया

10 से ज्यादा लोगों ने खनिज विभाग के सहायक अभियंता और होमगार्ड से धक्का-मुक्की की

- खनन विभाग ने 34 लोगों के खिलाफ पथराव व राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कराया

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में खनन माफिया के हौंसले बुलंद हैं। सदर थाना क्षेत्र स्थित गांव जटियाना में अवैध खनन की सूचना पर पहुंची खनिज विभाग की टीम पर रात में माफिया ने पथराव कर दिया।

बहरोड़ मार्ग पर बोलेरो और बाइक पर सवार होकर आए 10 से ज्यादा लोगों ने खनिज विभाग के सहायक अभियंता और होमगार्ड से धक्का-मुक्की की और ट्रैक्टर ट्राली छुड़ाकर फरार हो गए। इस पर सहायक अभियंता दिनेश कुमार ने सदर थाने में राज्य कार्य बाधा का मामला दर्ज कराया है। खनन विभाग ने 34 लोगों के खिलाफ पथराव व राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कराया है। जिनमें हाकमदीन, काला, मौसम, समयदीन, जलम, साहुन, अहमद, असम , अहमद, इसराइल, नायब, रुकमुदीन, मुस्ताक, विक्रम, अजक, रजाक, तायुब, शोकिन, मुस्ताक व 15 अन्य लोगों के खिलाफ सदर थाने में मामला दर्ज कराया है।

खनन विभाग की टीम मंगलवार रात करीब 11 बजे जटियाना गांव में पहुंची थी। वहां पहाड़ पर कई ट्रैक्टर अवैध खनन करते मिले। खनन व पुलिस की टीम को देख अवैध खनन करने वाले भागने लगे। कुछ लोग ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर फरार भी हो गए। लेकिन खनन विभाग की टीम ने एक ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़ भी लिया। दोबारा लोगों ने विभाग की टीम को घेर लिया और कुछ ने पथराव कर दिया और जबरदस्ती ट्रैक्टर छीन ली। इसके बाद टीम वहां से बच कर निकल आई। अगले दिन थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया।

हिंदी साहित्य की चार विभूतियां सम्मानित

चूरू। हिंदी साहित्य संसद की और से गुरुवार को लोक संस्कृति शोध संस्थान नगरश्री, चूरू के सभागार में आयोजित एक समारोह में प्रदेश के चार ख्यातनाम पत्रकार, साहित्यकार और समाजसेवियों को साहित्य साधना के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार और लेखक बाल मुकुंद ओझा चूरू को जन कवि प्रदीप शर्मा समृति साहित्य सम्मान से, डॉ गोपाल गर्ग अजमेर को रामा देवी भगीरथ प्रसाद साहित्य सम्मान से, हनुमान कोठारी चूरू और राजेंद्र शर्मा अलवर को अमृत उत्सव विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मानित साहित्यकारों को अतिथियों ने शाल ओढ़ाकर, सम्मान पत्र, नकद राशि, श्रीफल, पदक आदि प्रदान कर अलंकृत किया गया।

- वरिष्ठ पत्रकार और लेखक बाल मुकुंद ओझा चूरू को जन कवि प्रदीप शर्मा समृति साहित्य सम्मान से सम्मानित किया

समारोह में वरिष्ठ पत्रकार और लेखक बाल मुकुंद ओझा, डॉ. गोपाल गर्ग, हनुमान कोठारी और राजेंद्र शर्मा को सम्मानित किया।

समारोह में वरिष्ठ पत्रकार बाल मुकुंद ओझा ने कहा कि जन कवि प्रदीप शर्मा कवि, लेखक, पत्रकार के साथ जनता के नुमाईंदे भी थे। प्रदीप शर्मा के साथ अपने संस्मरणों को सुनाते हुए ओझा ने कहा उन्होंने पत्रकारिता और लेखन के जरिये उनमें छिपी प्रतिभा को प्रतिभा को तराशकर न केवल उकेरा अपितु इस पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। ओझा ने बताया प्रदीप शर्मा द्वारा 75 वर्ष पूर्व स्थापित हिंदी साहित्य संसद ने विभिन्न पुरुस्कारों के जरिये देश और प्रदेश के साहित्यकारों को प्रोत्साहित-सम्मानित कर उनका मान सम्मान बढ़ाया है जो आज के समय में एक दुर्लभतम उदहारण है। यह कार्य हिंदी साहित्य में मील का पत्थर है। समारोह में हिंदी साहित्य संसद के अध्यक्ष बनवारी खामोश, सचिव विजय कांत शर्मा ,वरिष्ठ समीक्षक चंद्र प्रकाश ढंढ, समाज सेवी गोपीराम हारित, राजू सिंघी आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के संयोजक प्रो कमल कोठरी ने सम्मानित विद्वत जनों का परिचय दिया।

बिरला हाथ खड़े कर दें तो हम बना देंगे एयरपोर्ट : सी.एम. गहलोत

कोटा, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरुवार को कोटा दौरे पर थे। इस दौरान वह प्रस्तावित कोटा एयरपोर्ट की भूमि का निरीक्षण करने गए। जहां पर उन्होंने भूमि का अवलोकन किया। इसके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पर हमला बोल दिया। साथ ही कहा कि कोटा में एयरपोर्ट काफी जरूरी है। यह टूरिस्ट हब बनने जा रहा है। यहां पर आने वाले समय में बड़ी संख्या में टूरिस्ट आएंगे। उन्होंने कहा कि स्पीकर बिरला अपने हाथ खड़े कर दें। इसके बाद हम आगे बढ़ाएंगे और एयरपोर्ट का निर्माण करवा दिया जाएगा।

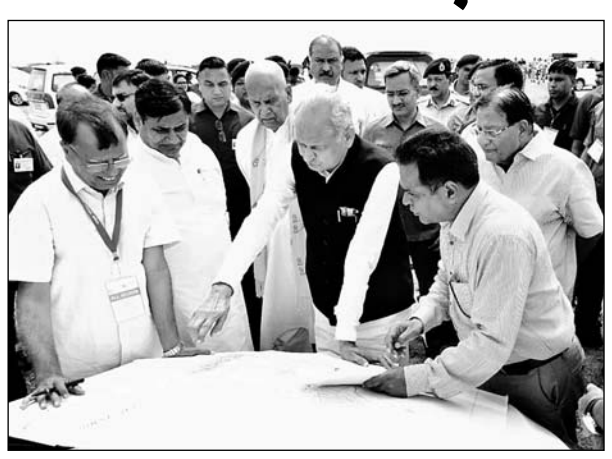

सीएम ने प्रस्तावित कोटा एयरपोर्ट की भूमि का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि बिरला मना कर दें, मैं नहीं कर पाऊंगा। मेरे हाथ में कुछ भी नहीं है। हम अपने हाथ में ले लेंगे। मुझे बहुत दुख होता है कोटा जैसी जगह में सब कुछ होने के बाद भी एयरपोर्ट नहीं है। अगर ओम बिरला टाइम बाउंड महीने दो महीने में इसको अप्रूव्ड करवा दें तमाम अड़चनें सामप्त करा दें। अगर नियमों में परिवर्तन करना पड़े तो उनके हाथ में है। वे स्पीकर है, उनकी बात को कौन मंत्री मना करेगा।

उन्होंने स्पीकर ओम बिरला पर निशाना चाहते हुए कहा कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के पेट में दर्द हो रहा है उन्हें यह डर सता रहा है कि कांग्रेस सरकार को एयरपोर्ट का श्रेय नहीं मिल जाए। इसलिए लगातार अड़चन पैदा कर रहे हैं जबकि वे चाहेंगे तो चंद दिनों में ही एयरपोर्ट की फाइल को आगे बढ़ा दिया जाएगा। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है इसलिए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लग रहा है कि इसका श्रेय कांग्रेस या राहुल गांधी को क्यों मिले। राहुल गांधी ने कोटा में वादा किया था कि हमारी सरकार यहां आएगी तो एयरपोर्ट लेकर आएंगे। इसलिऐं उनके पेट में दर्द हो रहा है। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि ओम बिरला से मैंने बात भी की है। वह कहते हैं कि कुछ करोड़ रुपए स्टेट गवर्नमेंट दे देगी तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन मेरा कहना है कि भारत सरकार समुद्र है। उनके लिए बहुत आसान काम है।

कोटा ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान को भाजपा विधायकों ने झूठा बताया है। उन्होंने कहा कि तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके व्यक्ति को इस तरह की अनर्गल बयानबाजी करना शोभा नहीं देता। हकीकत तो यह है कि ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के लिए भार रहित जमीन देने से राज्य सरकार ने हाथ खड़े कर दिए हैं। कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि एयरपोर्ट का निर्माण केंद्र सरकार करती है। लेकिल उसके लिए भार रहित भूमि उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है। चिन्हित भूमि पर जो भी बाधाएं होती हैं, उसको राज्य सरकार ही दूर करवाती है। किशनगढ़ और झालावाड़ इसके उदाहरण हैं।

लाड़पुरा विधायक कल्पना देवी ने कहा कि सीएम अशोक गहलोत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के लिए हाथ खड़े करने की बात कह रहे हैं। सही मायनों में आज सीएम अशोक गहलोत ने कोटा एयरपोर्ट के लिए घुटने टेक दिए हैं। मुख्यमंत्री जानते हैं कि वे सिर्फ 106 करोड़ रूपए जमा करवा देंगे तो कोटा एयरपोर्ट का निर्माण प्रारंभ हो जाएगा।

'मैं भाजपा में होता तो बाहर फेंक दिया जाता'

विधायक भरत सिंह ने कहा कि मेरा चेहरा ही अब विरोध करेगा

- 'मैं लगातार पार्टी के नेताओं के खिलाफ मुद्दे उठाता था और बोलता था, इसके बावजूद भी मेरा सम्मान किया जाता है'

कोटा, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कोटा में गुरुवार को विधायक भरत सिंह से मिलने पहुंचे। विधायक भरत सिंह बीते दिनों नाराज थे और लगातार मुख्यमंत्री और अधिकारियों के खिलाफ बयानबाजी भी कर रहे थे।

हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज भरत सिंह से मिलने पहुंचे। इस मौके पर भरत सिंह ने कहा कि मेरा चेहरा ही अब विरोध करेगा। इन मुद्दों को लेकर मैं बात कर रहा हूं। मैं अपने मुंह से कोई बात नहीं बोलूंगा। वह अपने आप ही महसूस करेंगे कि मुझे किन बात को लेकर तकलीफ है। किसी ने नंगे पैर जिला बनाने को लेकर मांग की थी जब जिला बन गया तो यह प्रतीकात्मक विरोध किया था। उसी तरह से मैं भी प्रतीकात्मक विरोध करता रहूंगा। यह मुद्दा मेरे लिए अब महत्वपूर्ण भी नहीं रखता है। विधायक भरत सिंह ने कहा कि मैं बच्चों की तरह जिद नहीं कर सकता मैंने अपनी बात कह दी है लेकिन सर पर बाल नहीं रखकर विरोध जारी रहेगा।

जानकारी के अनुसार लगातार खान की झोपड़ियां गांव को बारां जिले से कोटा में शामिल करने और सीमलिया थाने में कांग्रेस नेताओं पर दर्ज मुकदमे के मामले में जल्द कार्रवाई की मांग उठा रहे थे। विधायक भरत सिंह ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस में यही अंतर है। भीलवाड़ा के शाहपुरा से विधायक कैलाश मेघवाल काफी वरिष्ठ हैं और लगातार भाजपा से विधायक भी रहे हैं। इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया है क्योंकि उन्होंने पार्टी के नेताओं के खिलाफ बयानबाजी की थी। वहीं हमारी पार्टी में लोकतंत्र और संविधान है मैं लगातार पार्टी के नेताओं के खिलाफ मुद्दे उठाता था और बोलता था। इसके बावजूद भी मेरा सम्मान किया जाता है। मुझे पार्टी से बाहर नहीं निकाला गया। साथ ही कोई नोटिस भी नहीं दिया गया अगर मैं भाजपा में होता तो बाहर फेंक दिया जाता।

विधायक भरत सिंह ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखता रहा हूं क्योंकि मैं पत्र लिखता हूं, उनको मैं सार्वजनिक भी कर देता हूं। ताकि लोगों को पता चल जाए मैं क्या बोल रहा हूं। विधायक भरत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री से मेरे संबंध हमेशा मधुर रहे हैं। लेकिन जिन मुद्दों पर मैं सहमत नहीं हूं उन पर नाराजगी प्रकट करनी होती है। मैं मेरे पिता से भी बोलता रहता था। यह मेरा स्वभाव है जो गलत लगता है उस पर बोलता हूं।

90 लाख की धोखाधड़ी का लगाया आरोप

श्रीगंगानगर, (निसं)। कृषि मार्केटिंग कंपनी पर किसान से फार्मिंग कॉन्ट्रेक्ट कर लगभग 90 लाख की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस के अनुसार ई ब्लॉक निवासी सुशील बोरड़ तथा उसके भाई विजय बोरड़ के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप में बाजसिंह सिद्धू मैनेजिंग डायरेक्टर कृषि मार्केटिंग कंपनी जयपुर, भगवान सेवट, कुलदीप, महावीर प्रसाद सहित तीन-चार अन्य पर धोखाधड़ी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। सुशील बोरड़ ने मुकदमा दर्ज करवाया है। बोरड़ ने वर्ष 2019 से 2022 तक उसकी कृषि भूमि में पीली अंजीर के उत्पादित हुए फलों तथा इसकी खरीद राशि और कंपनी की ओर से किए गए भुगतान की जानकारी दी है। इसके अनुसार 2019 से 2022 तक कंपनी द्वारा सुशील बोरड़ तथा विजय बोरड़ से खरीदे गए अंजीर फलों का पूरा भुगतान नहीं किया गया। कंपनी ने 90 लाख 21 हजार रुपए 250 का भुगतान रोक लिया। परिवादी का आरोप है कि बार-बार कहने पर भी कंपनी इस राशि का भुगतान नहीं कर रही।

सी.आई.एस.एफ. जवान ने लगाया फंदा

सूरतगढ़, (निसं)। थर्मल पावर प्लांट सब क्रिटिकल पावर प्लांट में सीआईएसएफ के जवान ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया।

- खेजड़ी के पेड़ से लटका मिला शव
- कुछ ही दिन पहले छुट्टी से लौटा था

जानकारी के अनुसार 1500 मेगावाट सूरतगढ़ सब क्रिटिकल परियोजना की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षाबल यूनिट में धोबी के पद पर तैनात टोंक जिला निवासी दुर्गालाल गुरुवार सुबह से ही लापता था। जिस पर सीआईएसएफ के जवानों ने तलाश शुरू की, तो जवान का शव परियोजना में खाली पड़े जंगलनुमा इलाके में झाड़ियों में खेजड़ी के पेड़ से लटका मिला। जिस पर परियोजना व सीआईएसएफ के अधिकारियों ने राजियासर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची राजियासर पुलिस ने जवान के शव को राजियासर के राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है।

गौरतलब है कि जवान अभी पिछले दिनों ही छुट्टी काट कर वापस आया था। राजियासर थानाधिकारी सत्यनारायण गोदारा ने बताया कि जवान के परिजनों को सूचना कर दी गई है। गुरुवार को परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। अभी आत्महत्या के कारणों को पता नही चला है। राजियासर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चुनाव से पूर्व कांग्रेसियों में नहीं है एकजुटता ?

टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र में दो धड़ों में बंटे कांग्रेसी, दो जगह बैठक आयोजित हुई

- कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की जीत के लिए किया आश्वस्त

टोडाभीम, (निसं)। कस्बे के रोडवेज बस स्टैंड पर स्थित विधायक कार्यालय एवं बालाजी रोड़ पर स्थित भीम पैलेस में गुरुवार को एआईसीसी की करौली-धौलपुर लोकसभा ऑब्जर्वर शकुंतला खटक के द्वारा विधानसभा के टोडाभीम व नादौती ब्लॉक के कार्यकर्ताओं व कांग्रेस से टिकिट मांगने वाले दावेदारों से चर्चा की गई। लेकिन विधानसभा चुनावों से पूर्व ही टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस दो धड़ों बंटी नजर आई।

विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से रायसुमारी करने आई एआईसीसी की करौली-धौलपुर लोकसभा ऑब्जर्वर शकुंतला खटक के आने से पूर्व ही टिकिटार्थियों व समर्थकों के दो गुट हो गए और एक गुट की बैठक विधायक कार्यालय व दूसरे गुट की बैठक बालाजी रोड भीम पैलेस में आयोजित की गई। उन्होंने सबसे पहले टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र के टोडाभीम व नादौती ब्लॉक की संयुक्त बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवराज मीणा और ब्लॉक अध्यक्ष मोहनलाल मीना के साथ ब्लॉक स्तरीय कार्यकर्ताओं ने बैठक में भाग लिया।

एआईसीसी की करौली-धौलपुर लोकसभा ऑब्जर्वर शकुंतला खटक ने टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

बैठक में शकुंतला खटक ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले समय में विधानसभा और उसके बाद लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। कार्यकर्ता अपनी पूरी लगन और मेहनत से पार्टी को मजबूत करने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के हाथ मजबूत करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी से चुनाव में टिकट मांगने वाले कार्यकर्ता हैं। पार्टी का टिकट जिसे मिले सभी को मिलकर कांग्रेस प्रत्याशी को जिताएं।

उन्होंने कहा कि पार्टी का टिकट मांगना सभी का अधिकार है, लेकिन टिकट मिलने के बाद सभी को एकजुट होकर जिले की चारों सीट एक बार फिर कांग्रेस को दिलानी है। इस में शकुंतला खटक ने कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं और कांग्रेस विधानसभा चुनाव में टिकट के दावेदारों से वार्ता की। ऑब्जर्वर ने सभी से कांग्रेस पार्टी की रीति और नीति के हिसाब से काम करने की सलाह दी। साथ ही कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जन कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें। योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाए और जानकारी दें। जिले में सभी विधानसभाओं में से किसी को भी कांग्रेस का टिकट मिले, हर कार्यकर्ता को कंधे से कंधे लगाकर उसे चुनाव जीताना है। करौली की चारों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस जीती तो राजस्थान में करौली जिले के साथ टोडाभीम का भी नाम होगा।

बैठक में विधायक पृथ्वीराज मीना ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव लड़ने व टिकिट मांगने का सबको अधिकार हैं और जिसे पार्टी टिकिट दे उसके साथ ईमानदारी से एकजुट होकर पार्टी प्रत्याशी को विजयी बनाये। विधायक मीना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की एक बहुत बड़ी पार्टी है। जिसमें हर एक कार्यकर्ता अपनी पूरी लगन और मेहनत से पार्टी के लिए कार्य करता है।

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी टोडाभीम से विधानसभा सीट इस बार भी जीतेगी। इस मौके पर पीसीसी सदस्य अनिता मीना, प्रधान कल्पना मीना, राजबाई मीना, पालिकाउपाध्यक्ष मोहम्मद इसहाक, उप जिलाप्रमुख प्रतिनिधि प्रेमराज महस्वा, रामस्वरुप ठेकेदार, पीसीसी सदस्य मुरारी रायसना उपस्थित रहे। वहीं भीम पैलेस में आयोजित बैठक में पूर्व विधायक घनश्याम महर, दुल्हेराम, खिलाड़ीराम सोप, पालिकाध्यक्ष अमृता सियाराम, पूर्व मंत्री रामस्वरुप मीना, पीसीसी सदस्य बच्चलाल मीना, पूर्व प्रधान सुरेशी मीना, मौजूद थे।

राजधानी में झमाझम बारिश, पानी-ट्रेफिक जाम में फंसे लोग

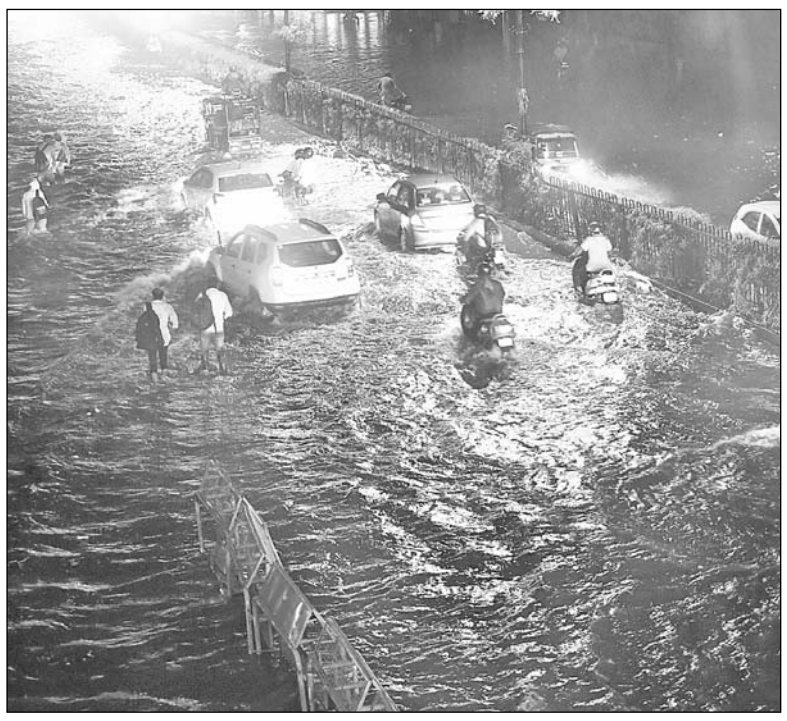

राजधानी जयपुर में गुरूवार शाम करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश का दौर चला, इस दौरान एम.आई.रोड, परकोटा, सीकर रोड, मानसरोवर, झोटवाड़ा रोड समेत कई प्रमुख मार्गों की सड़कें दरिया बनकर बहती नजर आयी। मानसून से पहले नगर निगम प्रशासन ने नालों की सफाई के जो दावे किए थे, वो सिर्फ एक घंटे में ही फेल होते नजर आए। बारिश की तेज बौछारों से सड़कों पर देखते ही देखते पानी भर गया और राहगीरो और वाहनचालकों को आवाजाही में परेशानी होने लगी। हालांकि बारिश के कारण शहर में पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी और उमस से हल्की राहत मिली है, लेकिन लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना शाम को सड़कों पर लगे ट्रेफिक जाम के कारण हुई। नारायण सिंह सर्किल और जे.एल.एन. रोड स्थित त्रिमूर्ति सर्किल पर तो कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। हर तरफ दुपहिया और चौपहिया वाहन चालक थे, जो अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए जद्दोजहद करते दिखे। मौसम विभाग के मुताबिक जयपुर में शाम साढ़े 8 बजे तक एक इंच से ज्यादा (28.8 मि.मी.) बारिश दर्ज की गई। फोटो-राष्ट्रदूत

जल्द ही जयपुर से अंतरराष्ट्रीय फ्लाइटें बढ़ाई जाएंगी : बोहरा

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर जयपुर सांसद रामचरण बोहरा की अध्यक्षता में हवाई अड्डा सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। जिसमें यात्रियों की सुविधा हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही सांसद बोहरा ने एयरपोर्ट पर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। सांसद बोहरा ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में जयपुर एयरपोर्ट का बेहतरीन विकास हुआ है जहां 2014 में एयरपोर्ट से 28 फ्लाइट प्रतिदिन संचालित होती थी वही आज 74 फ्लाइट प्रतिदिन संचालित हो रही है। 61.82 करोड़ की लागत से एयरपोर्ट के टर्मिनल टी-1 के नवनिर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है जल्द ही यह टर्मिनल यात्रियों के लिए शुरू कर दिया जाएगा। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जल्द ही जयपुर से उड़ने वाली अंतरराष्ट्रीय फ्लाईटों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी।

सांसद बोहरा ने ज्वेलर्स को सामान आयात एवं निर्यात करने में आ रही समस्या के विषय में भी विस्तार से चर्चा की और जल्द ही इसका समाधान निकालने के निर्देश दिए। सांसद बोहरा ने एयरपोर्ट के अधिकारियों को एयरपोर्ट पर ग्रीनरी डेवलप करने के लिए भी कहा। इस दौरान जयपुर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विष्णु झा, राजस्थान चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष के.एल. जैन, श्री राजपूत सभा के प्रदेशाध्यक्ष रामसिंह चंदलाई, फोर्टी के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डीपी खंडेलवाल एयरपोर्ट के अन्य अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

23 साल से वेतन के इंतजार में 1558 परिवार

जयपुर। चेहरों पर उदासी और परिवार की दुर्दशा देखकर खून के आंसू रोते कार्मिक, वेतन के इंतजार में सैकडों लोग फाकाकशी में जीवन बिता रहे हैं तो सैंकडो परिवारों में बच्चों की शादी भी नहीं हो पा रही। इसके अलावा सैंकडो श्रमिक अब गंभीर बीमारियों से जुझ रहे है लेकिन उनका इलाज भी नहीं हो पा रहा है। कुछ ऐसे ही हाल है वर्ष 2000 में प्रबन्धन और सरकारी लापरवाही का शिकार हुए जयपुर मैटल्स के परिवारों के। जयपुर मैटल्स को बंद करने के बाद बिना कोई सेवा परिलाभ दिए घर भेजे गए 1558 परिवारों में सैंकडो लोग वेतन तथा सेवा परिलाभ के इंतजार में अपना जीवन त्याग चुके है तो दर्जनों लोग गरीबी और बेरोजगारी से तंग आकर मौत को गले लगा चुके है। इसके बाद भी अब तक इन परिवारों की सुध लेने के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई कदम नहीं उठाए गए है।

सरकार की बेरुखी के बाद भी अब तक वेतन तथा सेवा परिलाभ दिलाए जाने की मांग को लेकर ये श्रमिक आंदोलन का झंडा उठाए हुए हैं और आए दिन सरकार के समक्ष गुहार लगा रहे है।

- कर्मचारी नेताओं ने जयपुर मैटल्स की जमीनों की नीलामी कर उससे मिली आय को कर्मचारियों को दिए जाने की मांग भी की है

इसको लेकर राजधानी में गुरूवार को प्रेसवार्ता कर जयपुर मैटल्स पीडित संघर्ष समिति के संयोजक दिलीप व्यास व राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र तांबी, सामाजिक चिंतक केबी शर्मा ने बताया कि यह मार्मिक पीडा और मानव समाज की वेदना है। इस आंदोलन को एक दर्जन से अधिक संगठनों ने समर्थन देने की घोषणा की है और अब ये कार्मिक अपने हक के लिए जयपुर से लेकर दिल्ली में राष्ट्रपति के समक्ष भी गुहार लगाएंगे।

'कैलाश मेघवाल ने राजनीति में एससी समाज के लोगों को आगे नहीं बढ़ने दिया'

भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने पूर्व विधानसभाध्यक्ष द्वारा भाजपा नेताओं पर लगाये आरोपों का जवाब दिया

जयपुर। भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा से निलंबित वरिष्ठ विधायक पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल द्वारा केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल सहित सभी भाजपा नेताओं पर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल की निंदा की।

- 'अर्जुनराम मेघवाल की तारीफ तो पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने भी की, उनके ऊपर आरोप निंदनीय'

एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि अर्जुनराम मेघवाल ने अपना पूरा जीवन जनहित में लगा दिया, और आज भी वे लोकसभा में गरीब, वंचित और किसानों की आवाज उठाते हैं। हम सभी ऐसे ईमानदार नेता को मार्गदर्शक मानकर उनकी प्रेरणा से भाजपा में काम करते हैं। कैलाश मेघवाल को भाजपा ने प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है, उनके द्वारा दिये गये सभी बयान कांग्रेस प्रायोजित हो सकते हैं। एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल का यह स्वभाव रहा है कि उन्होंने बार-बार पार्टी के नेताओं पर आरोप लगाए हैं इसलिए उनकी बात को कोई गंभीरता से नहीं लेता। यह उनकी आदत है और वे नहीं चाहते कि अनुसूचित जाति का कोई नेता आगे बढ़े। उन्होंने अपने पूरे जीवन काल में एससी के किसी भी नेता को आगे नहीं बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आज अर्जुन राम मेघवाल की साफ छवि का वर्णन पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने भी किया है। देश के ईमानदार नेताओं की सूची में आज अर्जुन राम मेघवाल का नाम शुमार है। अर्जुन राम मेघवाल जब बाड़मेर में अतिरिक्त जिला कलेक्टर के पद पर रहते हुए कार्य किया, और इस दौरान उन पर एक भी शिकायत दर्ज नहीं हुई। उनके आईएएस बनने पर भी वे सवाल उठा रहे हैं लेकिन कैलाश मेघवाल को यह जानकारी होनी चाहिए कि अर्जुनराम अपनी बुद्धिमत्ता व योग्यता से यूपीएससी जैसी संवैधानिक संस्थान से इस पद पर साक्षात्कार के माध्यम से चयनित हुए हैं। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर देश के पहले कानून मंत्री थे, उनके बाद यह सौभाग्य अर्जुनराम मेघवाल को मिला है।

सीएम के खिलाफ पेश पीआईएल खारिज

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि कोर्ट ऐसी कोई कमेटी गठित या गाइड लाइन जारी नहीं कर सकता, जिससे यह तय किया जा सके कि कौनसा कृत्य न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आता है। वहीं अदालत ने यह भी कहा कि वह किसी को माफीनामा पेश करने के लिए बाध्य नहीं कर सकते। इसके साथ ही जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि समान बिंदु पर एक अन्य याचिका पहले से ही अदालत में लंबित चल रही है। जनहित याचिका मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से न्यायपालिका पर बयानबाजी को लेकर दायर की गई थी। कुणाल शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका में कहा था कि सीएम गहलोत ने न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और वकीलों के लिए बयानबाजी कर न्यायपालिका की गरिमा को अपमानित किया है।

कांग्रेस प्रोटोकॉल समिति की बैठक

जयपुर, (का.प्र.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा आगामी राज्य चुनाव के लिए गठित प्रोटोकॉल समिति की मीटिंग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वार रूम में अध्यक्ष प्रमोद जैन भाया की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक में सदस्य टीकाराम जूली, मुमताज मसीह, रफीक खान, पुष्पेंद्र भारद्वाज, नसीम अख्तर इंसाफ, रघुवीर सिंह राठौड़ शामिल हुए।

5600 गैंग का सदस्य बताकर क्यों रखा अवैध हिरासत में : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव, एसीएस गृह, डीजीपी, एडीजी मानव तस्करी निरोधक यूनिट और करणी विहार थानाधिकारी को नोटिस जारी कर पूछा है कि याचिकाकर्ता को 5600 गैंग का सदस्य बताकर अवैध हिरासत में क्यों रखा गया। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश अक्षय चौधरी की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने मामले में इन अधिकारियों से पूछा है कि क्यों ना मामले में याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया जाए।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. मिथिलेश कुमार और योगेश कुमार ने अदालत को बताया कि गत 22 अगस्त को याचिकाकर्ता का महिपाल, देवा, सन्नी कुमार और खेम सिंह सहित आठ लोगों ने करणी विहार थाना इलाके से अपहरण कर लिया था। इस दौरान याचिकाकर्ता के पास पांच लाख रुपए की नकदी और सोने की चेन आदि भी थी। अपहरण के बाद राजस्थान पुलिस के सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी भी दी गई। जिसके जवाब में राजस्थान पुलिस ने जयपुर पुलिस को टैग करते हुए मामला देखने को कहा। याचिका में कहा गया कि बाद में उसे मिलीभगत कर करणी विहार थाना पुलिस को सौंप दिया गया।

''डोल का बाढ़'' में पेड़ काटकर फिनटेक पार्क बनाने पर अड़ा हुआ है रीको प्रशासन

रीको प्रशासन का कहना है कि यह वन भूमि नहीं, इसका अधिकार रीको के पास है, इसे उद्योग स्थापित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से दो केसों में जीता गया था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ''डोल का बाढ़'' में करीब 166 बीघा जमीन पर उगे 2500 से ज्यादा हरे-भरे पेड़ों को काटकर रीको प्रशासन फिनटेक पार्क बनाने पर अड़ा हुआ है। दरअसल इन पेड़ों को बचाने के लिए पिछले करीब 2 वर्ष से वनप्रेमियों का आंदोलन चल रहा है, इसके बावजूद अधिकारी तानाशाही रवैया अपनाते हुए जमीन खोदकर औद्योगिक निर्माण कार्य करने में जुटे हुए है। जहां अधिकारी इस जमीन को रीको की भूमि बताकर औद्योगिकीकरण की आड़ में पेड़ों को काटने की जिम्मेदारी से बचना चाह रहे हैं, वहीं आंदोलन की अगुवाई कर रहे वन्यप्रेमी 2500 पेड़ों की कटाई और यहां रहने वाले कई प्रजातियों के पक्षियों को लेकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। इनका कहना है कि फिनटेक पार्क में 85 प्रतिशत जगह सीमेंट-कंक्रीट के जाल से ढक दी जायेगी। सीवरेज, पानी व बिजली की लाइनों के पाइप और 47 मीटर तक की इमारतें और सड़कें बनेंगे, जो कि इन पेड़ों को नष्ट कर देंगी।

''सेव डोल का बाढ़'' आंदोलन से जुड़ी मिताली देसाई, शीना चौधरी, अभिषेक, विजेन्द्र शेखावत और कविता श्रीवास्तव ने बताया कि राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन (रीको) प्रशासन यहां औद्योगिक पार्क बनाने के लिए अलग-अलग तरह के तर्क दे रहा है। रीको के अधिकारी कह रहे हैं कि ''डोल का बाढ़'' वन भूमि नहीं है, बल्कि इसका मालिकाना हक रीको प्रशासन के पास है। यहां पर उद्योग स्थापित करने के लिए विभाग ने सुप्रीम कोर्ट से यह भूमि दो केसों में जीती थी। इसके अलावा रीको प्रशासन का कहना है कि ''डोल का बाढ़'' में विशेष प्रजाति के पक्षी और जानवर नहीं है और मौजूदा पेड़ों को भी पुनः लगाया जायेगा, हालांकि ये अधिकांश मौसमी पेड़ हैं, जो जमीन के इस्तेमाल नहीं होने के कारण उग गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2011 के मास्टर प्लान में डोल का बाढ़ की भूमि आवासीय उपयोग के लिए की गई थी, बाद में वर्ष 2017 में इसे बदलकर जयपुर विकास प्राधिकरण ने औद्योगिक कर दिया। रीको प्रशासन कह रहा है कि फिनटेक पार्क बजट घोषणा थी, जो कि लाभकारी प्रोजेक्ट है।

डोल का बाढ़ में फिनटेक पार्क बनाने के लिए रीको प्रशासन द्वारा जमीन में खुदाई कर सीमेंट के बड़े-बड़े ब्लॉक लगाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। यहां उगे हुए 2500 पेड़ों को बचाने के लिए वन्य प्रेमियों ने इन सीमेंटेड ब्लॉक्स पर भी 'सेव ट्री' जैसे संदेश लिखकर और विरोध प्रदर्शन करने में जुटे हुए है।

- ''डोल का बाढ़'' में विशेष प्रजाति के पक्षी और जड़ी-बूटियों के पेड़-पौधे होने की बात से भी मुकरे अधिकारी
- वन्यप्रेमियों का कहना है कि फिनटेक पार्क में 85 प्रतिशत जगह सीमेंट-कंक्रीट से ढक दी जायेगी। सीवरेज, पानी व बिजली की लाइनों के पाइप और 47 मीटर तक की इमारतें और सड़कें बनेंगे, जो कि इन पेड़ों को नष्ट कर देंगी।

बताया जा रहा है कि ''सेव डोल का बाढ़'' आंदोलन की शुरूआत जून-2021 में ही हो गई थी, जब 300 निवासियों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, लेकिन कभी भी जमीन के स्वामित्व का विवाद नहीं किया। वर्ष 1979 में जब अधिग्रहण के लिए अधिसूचना जारी की गई थी और वर्ष 1984 में जब भूमि अवाप्ति हुई, उस समय से पिछले 44 सालों में डीजीडीसी (जिसे वर्ष 1988 में यह भूमि दी गई थी) ने एमओयू के मुताबिक रत्न और जेम स्टोन औद्योगिक पार्क के रूम में विकसित नहीं किया। उसके बाद रीको ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में करीब 17 वर्ष केस लड़ा और वर्ष 2013 में जब रीको ने भूमि वापस नहीं लिया। उसके बाद 8 वर्ष और लगे कि इस भूमि के साथ क्या करना है। इस अवधि मे 44 वर्ष के लिए कुछ भी घटित नहीं होने के कारण 166 बीघा यह जमीन नैसर्गिक वन बन गया। ''सेव डोल का बाढ़'' आंदोलन से जुड़ी मिताली देसाई, शीना चौधरी, अभिषेक, विजेन्द्र शेखावत और कविता श्रीवास्तव ने बताया कि यहां पर उगे हुए 2500 पेड़ों की जब वन विशेषज्ञों ने जांच की तो पता लगा कि यहां 30 से ज्यादा प्रजातियो के पेड़ हैं, जिनमें नीम, रोहिडा, खेजड़ी जैसे 60 प्रकार की जड़ी बूटियां भी शामिल है। इसी तरह पक्षी विज्ञानियों ने भी स्वीकारा कि 13 दुर्लभ और प्रवासी पक्षी हैं, जो खतरे में हैं। इनमें अलेक्जंड्राइन पैरोकीट, गुलाबी गौरा मिना, कम बैली गला, स्काईज वार्बलर, ट्री पिपिट, ब्लैक रेड स्टार्ट, कॉमन चिफ चिफ, सेसी स्टारलिंग, रेड ब्रेस्टेड फ्लाई कैचर और जैबोबिल कुकू शामिल है।

शिक्षकों को किया सम्मानित

जयपुर, (का.सं.)। इनर व्हील क्लब ऑफ दिल्ली नॉर्थ, जिला 301 की अध्यक्ष, मधु लता गुप्ता ने अपने क्लब की वरिष्ठ पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय इनरव्हील अध्यक्ष अनीता अग्रवाल और क्लब के अन्य सदस्यों के साथ गांव तेहरकी, पलवल सोहना रोड, जिला हरियाणा का दौरा किया और स्कूल राजकीय माध्यमिक विद्यालय तहरकी में शिक्षक दिवस मनाया। शिक्षक दिवस के उपलक्ष में विद्यालय के 9 शिक्षकों को प्रमाण पत्र, फूल, चादरें प्रदान की। चूंकि शिक्षा एक शक्तिशाली उपकरण है जो गरीबी के चक्र को तोड़ सकती है और व्यक्तियों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए सशक्त बना सकती है इसिलिये अध्यक्ष मधु लता ने सातवीं और आठवीं कक्षा के विद्यार्थियो को 96 सेट स्टेशनरी के वितरित किये। बुनियादी शैक्षिक आपूर्ति प्रदान करके, हम इन बच्चों की बाधाओं को दूर करने, उनके सीखने के अनुभव को बढ़ाने और उनके समग्र कल्याण में सुधार करने के लिए सशक्त बनाते हैं। हमने बच्चों को 11 किलो बूंदी के लड्डू बांटे। प्रधान मधु लता गुप्ता ने गांव के ग्राम सभा सदस्यों को फूल और शर्ट देकर सम्मानित किया। साथ ही गांव तेहरकी, पलवल सोहना रोड के स्कूल में पर्यावरण सहायक और रसोई की देखभाल करने वालों को 10 छाते भी उपहार में दिए। इनर व्हील क्लब ऑफ दिल्ली नॉर्थ की अध्यक्ष मधु लता गुप्ता ने छात्रों, शिक्षकों और ग्रामीणों को सशक्त बनाने के लिए वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत करते हुए 45 अमरूद, 8 अनार, 25 मौसमी, 20 नींबू और 10 आम के 108 पौधे उनके परिवारों को दिए।

ये 1082 परिवार के सदस्य इन फलदार पौधों की देखभाल करेंगे और पेड़ों के फलों का लुत्फ उठाएंगे। बच्चों को वृक्षारोपण अभियान में शामिल करने से उनमें स्वामित्व और शक्ति की भावना आती है। इस गहन अनुभव के माध्यम से, वे इस बारे में और अधिक सीखते हैं कि पारिस्थितिक तंत्र कैसे काम करते हैं और दुनिया को स्वस्थ रखने के लिए पेड़ क्या करते। इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष मधु लता गुप्ता इस प्रकार की सामाजिक सेवा जारी रखेंगी।

सिद्धार्थ नगर में बदमाशों ने की कारों में तोड़फोड़

जयपुर। राजधानी के जवाहर सर्किल इलाके के सिद्धार्थ नगर में बुधवार रात 15 से 20 बदमाशों ने लाठी और डंडों से घर के बाहर खड़ी एक दर्जन से अधिक कारों के शीशे तोड़ दिए। बदमाशों ने कॉलोनी में खड़ी एक बस में भी तोड़फोड़ की। इसके बाद उन्होंने घरों पर पत्थर फेंके, जिससे कई लोगों की खिड़की के कांच टूट गए। इससे पहले गली में बिजली के पोल पर लगी लाइटें तोड़ डाली। वारदात के बाद आरोपी वहां से भाग गए। कॉलोनी के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रुम पर दी। इसके एक घंटे बाद मौके पर पुलिस पहुंची। कॉलोनी और घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों में बदमाश गाड़ियों में तोड़फोड़ करते नजर आ रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में राजेश गुप्ता, मुनीम सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, विजय देव व रामगोपाल बैरवा सहित अन्य ने थाने में मामला दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि बुधवार रात करीब सवा बारह बजे सिद्धार्थ नगर डी ब्लॉक कॉलोनी में 15 से 20 बदमाश पैदल घुसे और घर के बाहर खड़े 12 वाहनों और बस में तोड़फोड़ कर दी। बदमाशों ने कुछ घरों पर पत्थर भी फेंके जिससे खिड़की के कांच टूट गए। इसके साथ ही बदमाशों ने कॉलोनी में लगी बिजली के पोल की लाइटें भी तोड़ दी।

कॉलोनी के लोगों का कहना है कि कार का कांच तोड़ने की आवाज हुई तो लोग घरों से बाहर निकल आए। बदमाशों ने करीब 12 से 14 गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि पुलिस कंट्रोल रुम फोन किया, लेकिन वह बिजी बताता रहा। काफी कोशिशों के बाद फोन लगा तो पूरी बात बताई तो उन्होंने कहा कि पुलिस आ रही है अभी। हैरानी की बात यह है कि एक घंटा निकल जाने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंच पाई थी। महज कुछ मिनटों की दूरी तय करने में पुलिस को एक घंटे से भी ज्यादा समय लग गया।

राशन गबन करने के मामले में फरार चल रहा डीलर गिरफ्तार

दस महीने पहले खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा कंचनपुर थाने पर मुकदमा दर्ज कराया था

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के बाड़ी उपखंड की कंचनपुर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सरकार द्वारा गरीबों के लिए दिए जाने वाले राशन की कालाबाजारी करने और राशन का

- **राशन के करीब 250 कट्टों को खुर्द-बुर्द कर पॉश मशीन में गड़बड़ी करने का है आरोप**

गबन करने के आरोप में फरार राशन डीलर को गिरफ्तार किया है। राशन डीलर के खिलाफ करीब 10 महीने पहले खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा कंचनपुर थाने पर मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिसका मामला पेंडिंग चल रहा था।

थाना प्रभारी योगेंद्र शर्मा ने जब फाइल को पेंडिंग देखा तो एक्शन लेते हुए आरोपी डीलर को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम के सहयोग से गिरफ्तार किया है। जिससे मामले में पूछताछ की जा रही है। कंचनपुर थाना प्रभारी योगेंद्र शर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष खाद्य एवं रसद विभाग की परिवर्तक निरीक्षक समीक्षा दिनकर ने कंचनपुर थाने पर राशन सामग्री के गबन करने के आरोप में एक मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें कुंजी का नगला निवासी राशन डीलर दिनेश कुमार पुत्र शिवराम जाटव उम्र 45 वर्ष पर राशन के करीब ढाई सौ कट्टों को खुर्द-बुर्द कर पॉश मशीन में गड़बड़ी कर राशन के गबन करने का आरोप लगाया गया था। उक्त मामले में 10 महीने से फाइल पेंडिंग चल रही थी। जैसे ही फाइल को देखा तो तुरंत एक्शन लेते हुए मुखबिर तंत्र के सहयोग से कांस्टेबल विश्वेंद्र, रामनिवास, अर्जुन और राजेश कुमार के सहयोग से थाना क्षेत्र के मठ खिराना मोड़ से आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी डीलर से अब राशन के गबन को लेकर पूछताछ की जा रही है।

कंचनपुर थाना पुलिस ने फरार राशन डीलर को गिरफ्तार किया।

ठगी के मामले में तीन पकड़े

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के रामसीन पुलिस ने गुरुवार को फर्जी शादी करवाकर रूपये हड़पने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। जालोर पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पुलिस ने फर्जी शादी करवाकर अठारह लाख रुपये हडपने के संबंध में दर्ज मुकदमे में गहन अनुसंधान किया जाकर प्रकरण में फर्जी शादी करके रूपये एवं गहने हडपने वाले गिरोह के सदस्य व आरोपी कृष्ण पुरोहित उर्फ कृष्णराम पुत्र भूपाजी पुरोहित निवासी धानोल, आसु खां पुत्र गाजी खां निवासी दहीपुर पुलिस थाना रानीवाडा जिला सांचौर व रज्जाक खान पुत्र कालु खान निवासी सेरणा को गिरफ्तार किया। आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर प्रकरण में हड़प की गई राशि एवं फर्जी दुल्हन के बारे में आरोपियों से अग्रिम अनुसंधान जारी है।

बीकानेर। सजे-धजे ऊंट के साथ रोबिलो ने गुरुवार को शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र तथा पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान दोनों विभागों के अधिकारियों ने मतदान के महत्व के बारे में बताया। पूर्व मिस्टर बिकानेर अशोक बोहरा ने पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भागीदारी निभाई और मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के साथ मतदान के लिए प्रेरित किया। स्वीप प्रकोष्ठ के कॉर्डिनेटर डॉ. वाई. बी. माथुर ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर यह पहल की गई है। इसके तहत रेगिस्तान के जहाज कहे जाने वाले ऊंट का नखसिख श्रंगार करते हुए मतदान प्रक्रिया में भागीदारी का आव्हान किया गया है। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र राठी ने विभिन्न मोबाइल ऐप और मतदाता सूची में पंजीकरण, संशोधन और स्थानांतरण से जुड़ी प्रक्रिया के बारे में बताया।

करंट से युवक की मौत

दूदू, (निसं)। दूदू जिला मुख्यालय के मुख्य चौराहे पर फल के ठेले पर युवक की करंट आने से मौत हो गई। कल दूदू में भारी बारिश हुई जिसके कारण ठेले पर लाइट जुड़ी हुई होने के कारण करंट दौड़ने लगा व युवक (जावेद) पंचायत के गेट के बाहर लगे पानी के प्याउ पर पानी पीने गया था। फल के ठेले पर हाथ लगने पर कंरट लगने लगा। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया।

नशे के आदी व्यक्ति की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। नशे के आदी एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की उम्र करीब पचास साल है। उसकी पहचान नहीं हो पाई है। उसे एक व्यक्ति ने हॉस्पिटल के पीछे की तरफ नशे की हालत में पड़े देखा था।

गांव बाहर एफ बड़ा के लाभसिंह पुत्र हरगोविंद सिंह ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति नशे की हालत में सरकारी हॉस्पिटल के पीछे की तरफ पड़ा मिला। इस पर उसे सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। देर शाम करीब साढ़े सात बजे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने उसके परिजनों की तलाश शुरू की है। आस-पास के इलाके में पिछले कुछ दिन में लापता हुए लोगों के बारे में पता करवाया जा रहा है। श्रीगंगानगर के साथ ही पास के पंजाब के थानों को भी सूचना दी गई है। मृतक के नशे की हालत में हॉस्पिटल के पीछे की तरफ मिलने के कारण शुरुआती तौर पर उसकी मौत नशे का ज्यादा सेवन करने से होने का अनुमान है।

जांच टीमें गठित

सूरतगढ़, (निसं)। यहां सूरतगढ़-भोजेवाला सड़क मार्ग के किनारे महिला के संदिग्धावस्था में जली हुई अवस्था में मिले शव को लेकर पुलिस ने टीमें गठित कर जांच शुरू कर दी है। संभावना है कि पुलिस जल्द महिला की हत्या की गुत्थी सुलझा लेगी। सीआई कृष्ण कुमार ने बताया कि मंगलवार को सूरतगढ़-भोजेवाला सड़क मार्ग पर गैस गोदाम के निकट एक विवाहिता का जला हुआ शव बरामद हुआ था। जिसकी पहचान निर्मला (30) पत्नी वकील कुम्हार निवासी वार्ड नंबर 16 के रूप में हुई थी।

लवली एनकाउंटर मामले की सीबीआई जांच की मांग तेज

- **मृतक के परिजन भूख हड़ताल पर बैठे**

जोधपुर, (कासं)। लवली कण्डारा एनकाउंटर की सीबीआई से जांच करवाने और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों व समाज के लोगों का आंदोलन तेज हो गया है। समाज द्वारा जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना जहां गुरुवार को भी जारी रहा। वहीं मृतक की मां व अन्य परिजन नागौरी गेट सर्किल पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा के पास भूख हड़ताल पर बैठ गए।

सफाई मजदूर नेता नरेश कण्डारा ने बताया कि सीबीआई से जांच के लिए सरकार की ओर से अनुशंषा और दोषी पुलिसकर्मियों को निलम्बित करने की मांग को लेकर वाल्मिकी समाज की ओर से जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरना दिया जा रहा है। जो आज दसवें दिन भी जारी रहा। विरोध प्रदर्शन के तहत आज लवली कंडारा की मां व अन्य परिजन भूख हड़ताल पर बैठे। उन्होंने नागौरी गेट सर्किल पर बाबा साहेब की प्रतिमा के पास यह भूख हड़ताल शुरू की है।

मरणोपरान्त शरीर दान की घोषणा

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम मलपुरा निवासी रामजीलाल गुर्जर ने जयपुर के राजकीय एसएमएस अस्पताल के मेडीकल कॉलेज को चिकित्सकीय शोध कार्य हेतु अपना शरीर मरणोपरान्त दान किया है। रामजीलाल गुर्जर ने बताया कि मेरी व मैरे मित्र रामप्रताप रावत की सोच रही है कि मेरा शरीर मरने के बाद मेडिकल छात्रों के शोध हेतु काम आ सके।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री भट्ट ने तनोट माता के दर्शन किए

- **अजय भट्ट ने लोंगेवाला बोर्डर पर बैठक ली**

जैसलमेर, (नि.सं.)। केंद्रीय रक्षा राज्य व पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने गुरूवार को सरहद स्थित तनोटराय माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश में अमन चैन की प्रार्थना की। उन्होंने लोंगेवाला बोर्डर पर सैनिक बैठक को सम्बोधित किया। भट्ट ने शहर की पटुवा हवेली को निहारा हवेली के अग्रभाग में पीत पासन पर उकेरे हुए पक्षियों के चित्रों को देख कर बताया कि ऐसी बहुतायत में चित्रकारी जीवन में पहली बार देखने का अवसर मिला। सोनार दुर्ग, दीवान नथमल की हवेली दीवान सालमसिंह की हवेली देख भट्ट अभिभूत हुए।

गौरतलब है कि ज्यों-ज्यों राजस्थान के विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे है, वैसे-वैसे केंद्रीय मंत्रियों के दौरों की झड़ी लगनी शुरू हो गई है। सरहदी तनोटराय माता के दर्शन कर सीमा सुरक्षा बल के गेस्ट हाउस में रुक कर एकांत में भाजपाइयों से सलाह मशविरा कर यहां की ताजा स्थिति को आलकमान तक पहुंचाने का कार्य इन दिनों जोरों पर चल रहा है। भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता ने नाम नहीं लिखने की शर्त पर बताया कि आगामी विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री का चेहरा किसे बनाया जाये इसका मंथन किया जा रहा है।

केंद्र से जैसलमेर पोकरण रामदेवरा तनोटराय यात्रा पर आने वाले केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथसिंह, जल शक्ति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत, कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र चौधरी, सांसद पीपी चौधरी, देवजी पटेल, विजया राहटकर, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट सहित अनेक वरिष्ठ भाजपाई यहां से जिताऊ विधायक चेहरे की जानकारी आलाकमान को देने का कार्य भी कर रहे हैं।

विद्यालय भूमि पर कब्जा करने वाले सरकारी अध्यापक के खिलाफ मामला दर्ज

लालसोट, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की लालपुर ग्राम पंचायत की राजकीय विद्यालय की सरकारी भूमि पर प्रभावशाली सरकारी अध्यापक मनरूप मीणा द्वारा किए गए कब्जे को लेकर लालसोट थाने में अध्यापक के खिलाफ नामजद मामला दर्ज हुआ है।

यह अतिक्रमण का कृत्य करने वाला और कोई नहीं सवाई माधोपुर जिले के बौली ब्लॉक में सरकारी विद्यालय में पढ़ाने वाला शिक्षक ही है। ग्राम पंचायत लालपुरा में संचालित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भूमि पर काबिज अतिक्रमणकारी के खिलाफ प्रधानाचार्य समेत ग्रामीणों ने थाने में पहुंचकर थानाधिकारी नाथूलाल मीना को प्राथमिकी देते हुए मामला दर्ज करवाया गया। प्राथमिकी में ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय की पट्टाशुदा भूमि पर मनरुप मीणा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बौंली व्याख्याता निवासी पुनेता बौंली एवं दीपक शर्मा पुत्र महादेव शर्मा निवासी लालपुरा ने मिलकर अतिक्रमण कर लिया।

जिसका मौका मुआयना कर विद्यालय की पट्टाशुदा भूमि को अतिक्रमणकारियों से मुक्त करवाने की मांग की। इस दौरान रमेश चंद्र शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, नवल किशोर शर्मा, जगदीश पटेल, मुकेश शर्मा, विनोद शर्मा, मोनू जांगिड़, विकास शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, बाबूलाल बिहारीपुरा, बृजमोहन वार्ड पंच, रामकेश बिहारीपुरा, राजेश बिहारीपुरा, रघुनाथ शर्मा, मदन लाल शर्मा, रामशरण शर्मा, शंभू लाल शर्मा, रमेश चंद्र बैरवा, जन्मराज बैरवा, धारा सिंह मीणा, मुकेश मीणा सुख चैनपुरा चौथमल मीणा प्रधानाचार्य, दिनेश कुमार शर्मा वाइस प्रिंसिपल रामफूल बैरवा अध्यापक सहित अन्य जन मौजूद रहे।

राजकीय विद्यालय भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ मामला दर्ज करने लालसोट थाने पहुंचे ग्रामीण।

- **अतिक्रमण का कृत्य करने वाला बौली ब्लॉक में सरकारी विद्यालय में पढ़ाने वाला शिक्षक ही है**

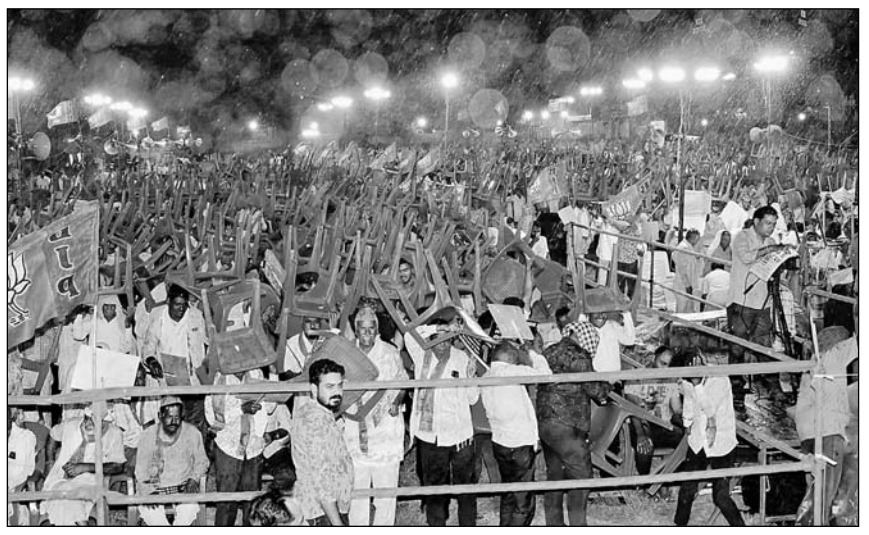

सादुलपुर में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित सभा में बरसात शुरु हो जाने से उमड़ी हुई भीड़ ने अपने आपको कुर्सियों से ढककर बचाया।

बसपा प्रत्याशी के चुनाव मैदान में आने से भाजपा और कांग्रेस भ्रम में

बहुजन समाज पार्टी ने एडवोकेट रविंद्र मीणा को करौली विधानसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारा है

करौली, (निसं)। करौली विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने एडवोकेट रविंद्र मीणा को अपना प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारने से भाजपा और कांग्रेस को अपना प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरने के लिए भ्रम जाल में फंसा दिया है।

दिसंबर 2023 में राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं जिसके लिए करौली विधानसभा से भाजपा और कांग्रेस से चुनाव लड़ने के लिए टिकट मांगने वालों की लंबी कतार लगी हुई है। टिकट की लाइन में लगे भाजपा और कांग्रेस पार्टी के बड़े नेता संभावित प्रत्याशियों से बायोडाटा भी ले रहे हैं और अपने स्तर पर दोनों पार्टियों के नेता जनता से फीडबैक भी ले चुके हैं और अभी ले रहे हैं। लेकिन भाजपा और कांग्रेस

- **क्योंकि यहां करौली विधानसभा क्षेत्र का चुनाव जातिगत समीकरणों के आधार पर होता है**

से पूर्व यहां करौली विधानसभा के चुनाव के लिए बसपा से रविंद्र मीणा के चुनाव मैदान में उतरने से देश की दोनों राष्ट्रीय पार्टियों को अपने-अपने प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारने के लिए भ्रम जाल में फंसा दिया है।

क्योंकि यहां करौली विधानसभा क्षेत्र का चुनाव जातिगत समीकरणों के आधार पर होता है और पूर्व में भी जातिगत आधार पर ही चुनाव हुए हैं। यहां मतदाता पार्टी के अनुसार अपना मत का प्रयोग नहीं करता है। बल्कि एक जातिगत समीकरण के आधार पर मतदान करता चला आ रहा है। अब देखने वाली बात यह है कि यहा कांग्रेस पार्टी से वैसे तो टिकट के लिए लंबी कतार है। लेकिन खास तौर से वर्तमान विधायक लाखन सिंह मीणा और पूर्व विधायक दर्शन सिंह गुर्जर को माना जा रहा है। इसके अलावा कांग्रेस से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव भूपेंद्र भारद्वाज भी प्रमुख रूप से टिकट की लाइन में है इनके अलावा उद्योगपति हाजी रूखसार अहमद, अनीता मीणा, कैप्टन कमल मीणा कसारा, पूर्व सरपंच कमलेश मीणा, प्रेम सिंह माली भी टिकट की लाइन में लगे हुए है।

राजस्थान में हाल में कांग्रेस की सरकार भी है किसको यहां अपना प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारती है यहां राजनैतिक हल्को और लोगों में चर्चा कुछ और ही सुनने को मिल रही है कि करौली विधानसभा से कांग्रेस पार्टी अपना प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारने के लिए चौंकाने वाला निर्णय लेने कि लोगों में चर्चा है कांग्रेस के अलावा भाजपा के टिकट के लिए भी टिकटार्थियो की लंबी कतार है जिसमें प्रमुख रूप से नगर परिषद के पूर्व सभापति राजाराम गुर्जर, पूर्व विधायक रोहिणी कुमारी, राजकुमारी गुर्जर, सतबीर चंदीला, अशोक सिंह धाबाई, गोपाल सिंह गुर्जर, डॉ. रूपसिंह गुर्जर, डॉ. शिवजी प्रसाद, अशोक पाठक, ओपी सैनी टिकट की लाइन में लगे हुए हैं। वैसे इस बार बसपा के प्रत्याशी को पहले चुनाव मैदान में उतारने से त्रिकोणीय चुनाव होने की संभावना बनती देखी जा रही है।

डाबला रोड पर भारी वाहनों की नो-एन्ट्री की मांग, आमरण अनशन शुरू

विभिन्न मुद्दों को लेकर 27 जुलाई से लगातार धरना दिया जा रहा है

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के मुख्य चौराहा से ग्राम नारेहड़ा हनुमानजी मंदिर तक भारी व ओवरलोड वाहनों की नो एन्ट्री की मांग को लेकर डाबला रोड धरने पर गुरूवार से आमरण अनशन शुरू किया गया। इस दौरान धरना संयोजक राधेश्याम शुक्लावास, रंगलाल महाराज, आप पार्टी के जिला संयुक्त सचिव रामस्वरूप छेपट अनशन पर बैठे।

धरना संयोजक राधेश्याम शुक्लावास ने बताया कि डाबला रोड़ भारी वाहनों की नो-एन्ट्री लागू करने, नारेहडा में सड़क पर गहरे गड्ढों पर डामरीकरण (पेचवर्क) करने, बुचारा बांध में आरएसी के जवानों की तैनाती के बावजूद अवैध खनन होने, वन क्षेत्र व चारागाह में अवैध खनन रुकवाने, ओवरलोडिंग पर कार्यवाही सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर विगत 27 जुलाई से लगातार धरना दिया जा रहा है। इस बाबत कई बार प्रशासन को ज्ञापन भी दिये जा चुके हैं लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। जिसके कारण मजबूरन आमरण अनशन शुरू करना पड़ा।

धरना संयोजक राधेश्याम शुक्लावास ने आमरण अनशन शुरू करने से पहले प्रशासन को लिखित में ज्ञापन सौंपा था कि धरना स्थल पर मेडिकल टीम, पुलिस जाप्ता आदि की व्यवस्था करवाई जाये। लेकिन कोई भी अधिकारी आमरण अनशन पर बैठे धरणार्थियों की सुध लेने नहीं पहुंचा। इस दौरान एड. अशोक कुमार सैनी, इंद्राज कसाना, मुकेश गुर्जर, रिछपाल वर्मा, नन्दाराम यादव, पूर्व पार्षद रामचंद्र सैनी, पूर्व पार्षद बंटी सैनी, सैनी विकास संस्था संगठन के अध्यक्ष बबलू बबेरवाल, सुभाष यादव, राजेन्द्र सिंह चौधरी, पप्पू बायलान, पूरण जांगिड़ व रामरतन सैनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कोटपूतली में मांगों को लेकर डाबला रोड धरने पर गुरूवार से आमरण अनशन शुरू किया गया।

हर किसी की अपनी राय होती है। पूर्व खिलाड़ियों को अपने विचार साझा करने का पूरा अधिकार है लेकिन मैं नहीं मानता कि इस टीम में किसी तरह का अहंकार है।

- रविन्द्र जडेजा

भारतीय क्रिकेटर, कपिल देव की खिलाड़ियों को लेकर की गई टिप्पणी पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जयदेव उनादकट

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय मैच में मंगलवार को जयदेव उनादकट 10 साल के लंबे अंतराल के बाद प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। जयदेव उनादकट को अक्षर पटेल की जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ही अपना आखिरी वनडे मैच खेल था। घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन करने के बाद वह एक बार फिर से भारतीय टीम में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उन्हें चुना गया था लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद सामी ने एक ओवर में 17 गेंद फेंककर एक ओवर में सर्वाधिक गेंद फेंकने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ी बने।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय मेंस फुटबॉल टीम का ऐलान

अंडर-23 टीम के साथ जाएंगे सुनील छेत्री, झिंगन और गोलकीपर गुरप्रीत बाहर

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। चीन के होंगझू में इसी महीने होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय मेंस फुटबॉल टीम का ऐलान हो गया है। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने बुधवार (13 सितंबर) को 18 सदस्यीय मेंस टीम की घोषणा की।

एशियन गेम्स में फुटबॉल की 23 टीमों के मुकाबले ही होंगे। जिसमें सभी टीमों के 3 ही सीनियर खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। इससे पहले जब 1 अगस्त को 22 सदस्यीय भारतीय टीम शॉर्टलिस्ट हुई तब 3 सीनियर खिलाड़ी शामिल थे। सीनियर खिलाड़ियों में संदेश झिंगन, गुरप्रीत सिंह संधू और सुनील छेत्री थे, लेकिन अब केवल छेत्री को जगह मिली है। टूर्नामेंट में 23 टीमें हैं, जिन्हें छह ग्रुप में बांटा गया है, ग्रुप ए, बी, सी, ई और एफ में प्रत्येक में चार टीमें हैं, जबकि ग्रुप डी में तीन टीमें हैं। भारत की मेंस टीम को ग्रुप ए में मेजबान चीन, बांग्लादेश और म्यांमार के साथ रखा गया है।

एशियन गेम्स इसी साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर के बीच चीन के हांगझू में होंगे। भारत ने एशियन गेम्स (1951 और 1962) में 2 गोल्ड मेडल जीते हैं। टीम 1970 में एक ब्रॉन्ज मेडल भी जीत चुकी है। क्रोएशियाई कोच इगोर स्टिमैक के नेतृत्व में नेशनल टीम ने चैंपियनशिप जीतकर एक

बार फिर फीफा रैंकिंग में टॉप-100 क्लब में प्रवेश किया है।

भारतीय मेंस और विमेंस फुटबॉल टीम को एशियाड के लिए भारत सरकार ने विशेष अनुमति दी है। भारतीय टीम को 2018 के एशियाड में खेलने की अनुमति नहीं मिली थी। खेल मंत्रालय का नियम कहता है कि टीम इवेंट में केवल एशिया टॉप -8 रैंक में शामिल टीमों को ही जाने की अनुमति मिलेगी। आखिरी बार टीम ने 2014 के एशियाड में हिस्सा लिया था।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम: गुरमीत सिंह, धीरज सिंह, सुमित राठी, नरेंद्र गहलोत, अमरजीत सिंह कियाम, सैमुअल जेम्स, राहुल केपी, अब्दुल रबीह, आयुष देव छेत्री, ब्रायस मिरांडा, अजफर नूरानी, रहीम अली, विंसी बरेटो, सुनील छेत्री, रोहित दानू, गुरकीरत सिंह और अनिकेत जाधव।

अभ्यास पर लौटे श्रेयस अय्यर

बैक इंजरी की वजह से पहले दो सुपर-4 मुकाबले से बाहर थे

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। एशिया कप के सुपर-4 में टीम इंडिया को बांग्लादेश के खिलाफ शुक्रवार को आखिरी मैच खेलना है। गुरुवार यानी मैच से एक दिन पहले भारतीय टीम के ऑप्शनल प्रैक्टिस सेशन में मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी शामिल हुए। अय्यर सुपर-4 में पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले बैक इंजरी की वजह से नहीं खेल सके थे। श्रीलंका के साथ सुपर फोर के दूसरे मुकाबले में भी वह इसी वजह से प्लेइंग इलेवन से बाहर थे और स्टेडियम में भी नहीं आए थे। श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर कहा था कि अय्यर को डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी है,

इसलिए वह मैच के दौरान स्टेडियम नहीं जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अय्यर ने प्रैक्टिस सेशन में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ बैटिंग की। उन्होंने स्ट्राइक रोटेशन की भी प्रैक्टिस की। अय्यर पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप लीग के दोनों मैच में खेले थे। पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 14 रन बनाया था। वहीं नेपाल के खिलाफ दूसरे लीग मैच में उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल पाया था। टीम इंडिया एशिया कप के सुपर-4 के फाइनल में पहुंच चुकी है। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में टीम इंडिया मोहम्मद शमी और श्रेयस अय्यर को मौका दे सकती है। श्रेयस अय्यर इस साल बैक इंजरी की वजह से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहे हैं। एशिया कप से उन्होंने वापसी की है। इन्हें अब तक केवल एक मैच में ही बल्लेबाजी का मौका मिला है। अब बांग्लादेश के खिलाफ मैच में इन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका मिल सकता है।

जूनियर नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप : झारखंड को हराकर यूपी फाइनल में

भुवनेश्वर 13 सितंबर। आक्रामक खेल की बदौलत झारखंड को 2-0 से हरा कर उत्तर प्रदेश ने बुधवार को जूनियर नेशनल फुटबॉल चेम्पियनशिप फार डॉ बी सी राय ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश कर लिया। उत्तर प्रदेश एवं झारखंड के बीच सेमीफाइनल मैच शुरू होते ही दोनों टीमे छोटे-छोटे पास से एक दूसरे पर आक्रमण करने लगी। ज्यादातर खेल मैदान के बीच में हो रहा था। दोनों ही टीमे अटैक और डिफेंस शैली से खेल रही थी। नतीजन पहले हाफ में दोनों टीमे 0-0 से बराबर रही। दूसरे हाफ का खेल शुरू होने पर उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी नई ऊर्जा और नई रणनीति के साथ ग्राउंड में उतरे। खेल शुरू होते ही उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने झारखंड के ऊपर आक्रमण करना शुरू कर दिया। परिणाम स्वरूप उत्तर प्रदेश को 58 मिनट में मोहम्मद नदीम ने 30 गज से शानदार गोल कर एक जीरो की बढत दिला दी जबकि खेल के 74वें मिनट में निरंजन शाही ने गोलकर उत्तर प्रदेश की बढ़त को 2-0 कर दिया।

चोट के कारण पृथ्वी शॉ लम्बे समय के लिए क्रिकेट से हुए दूर

मुंबई, 14 सितम्बर। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी पृथ्वी शॉ घुटने की चोट से जूझने के कारण लंबे समय के लिए क्रिकेट के मैदान से दूर हो गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो की खबर के मुताबिक पृथ्वी को चोट से उबरने के लिये तीन-चार महीने लग सकते है, इसका मतलब यह है कि वह निश्चित रूप से भारत के 2023-24 घरेलू सीज़न का एक बड़ा हिस्सा चूक जाएंगे जो एक अक्टूबर को राजकोट में ईरानी कप के साथ शुरू होने वाला है।

शॉ को डरहम के खिलाफ एक दिवसीय चैम्पियनशिप मैच में नॉर्थम्पटनशायर के लिए खेलते समय चोट लगी थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया कि पृथ्वी शॉ तीन-चार महीनों के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे। इस दौरान वह रिहैब में रहेंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया, पृथ्वी के चोटिल होने के बाद एमआरआई की गई। इसमें पता चला कि उनके लिगामेंट में इंजरी है। फिलहाल मेडिकल टीम शॉ के इलाज को लेकर सभी संभावित विकल्पों पर विचार कर रही है और सर्जरी ही आखिरी विकल्प होने की संभावना है।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि शॉ 16 अक्टूबर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से शुरू होने वाली सीमित ओवरों की प्रतियोगिताओं में नहीं खेलेंगे। यह चोट शॉ के लिए एक बड़ा झटका है क्योंकि वह काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और आगे बढ़ रहे थे। वह चार पारियों में 429 रन के साथ एक दिवसीय प्रतियोगिता में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे।

गौरतलब है कि पृथ्वी ने नॉर्थम्पटनशायर के लिए एक मुकाबले में नाबाद 125 रन बनाए थे। उन्होंने इससे पहले 244 रनों की शानदार पारी खेली थी। पृथ्वी भारतीय क्रिकेट टीम से 2021 से दूर चल रहे हैं। उन्होंने टीम इंडिया के लिए आखिरी मैच श्रीलंका के खिलाफ जुलाई 2021 में खेला था।

शॉ जुलाई में दलीप ट्रॉफी के लिए वेस्ट ज़ोन का हिस्सा थे जिसके बाद वह नॉर्थैंट्स के लिए एक दिवसीय प्रतियोगिता में खेलने के लिए इंग्लैंड गए। शॉ आखिरी बार फरवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टी20ई के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे और बाद में आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छा प्रदर्शन नहीं दिया जिसमें उन्होंने 14 मैचों में से केवल आठ में 106 रन बनाए।

शॉ ने अपनी वापसी पर खुशी व्यक्त करते हुये पिछले दिनो कहा था, मैं अगली गर्मियों में नॉर्थम्प्टनशायर वापस जाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। भले ही यह खेल जल्दी खत्म हो गया, मैंने वास्तव में वहां अपने समय का आनंद लिया। यह एक शानदार क्लब है और वहां सभी ने मेरा स्वागत किया। मैं वापसी के लिए इंतजार नहीं कर सकता। मेरा लक्ष्य हमेशा टीम को मैच जीतने में मदद करना है और इस बार मेरा घायल होना मेरे लिए बहुत निराशाजनक था।

भूटिया की हमरो सिक्किम पार्टी का एसडीएफ में विलय होगा

गंगटोक, 14 सितंबर। फुटबॉलर से राजनेता बने बाईचुंग भूटिया ने कहा है कि उनकी 'हामरो सिक्किम पार्टी' (एचएसपी) का पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग के सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) में जल्द विलय होगा। भूटिया ने उन अटकलों का खंडन किया है जिसमें कहा गया था कि वह 19 सितंबर एसडीएफ में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, यह सच है कि मैं एसडीएफ में शामिल होने जा रहा हूं, लेकिन 19 सितंबर को नहीं, कोई और तारीख हो सकती है। भूटिया अपनी पार्टी के सदस्यों के उनके साथ जाने के सुझाव को मानते हुए सामूहिक रूप से एसडीएफ में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने वर्तमान सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के कथित तौर पर मामलों को संभालने के तरीके पर निराशा व्यक्त की। वह राज्य में 'परिवर्तन' की प्रत्याशा में पिछले 2019 चुनावों के दौरान एसकेएम का समर्थन करने के लिए सिक्किम की जनता से माफी की पेशकश भी कर सकते हैं। आगामी 22 सितंबर को एसडीएफ अपने पार्टी प्रमुख चामलिंग का जन्मदिन पार्टी 'गरीबी उन्मूलन दिवस' के रूप में मनाती है और संभवत: इसी दिन श्री भूटिया जब एसडीएफ में शामिल होकर उसका हिस्सा बन सकते हैं।

डेविस कप के लिये भारतीय टीम घोषित

लखनऊ 14 सितंबर। मोरक्को के खिलाफ 16 सितंबर से यहां शुरू होने वाले डेविस कप विश्व ग्रुप-2 मुकाबले के लिये भारतीय टीम की घोषणा गुरूवार को कर दी गयी। भारत के नान प्लेयिंग कैप्टन रोहित राजपाल ने पत्रकारों को बताया कि भारतीय टीम मे देश के शीर्ष क्रम के एकल खिलाड़ी सुमित नागल और दिग्गज रोहन बोपन्ना के अलावा शशिकुमार मुकुंद, दिग्विजय प्रताप सिंह और युकी भांबरी को जगह दी गयी है। उन्होने बताया कि शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में मेन ड्रा निकाला जायेगा, उससे एक घंटे पहले तक टीम में रद्दोबदल की गुंजाइश बनी रहेगी।

उन्होने कहा कि रैंकिंग में कमजोर दिखने वाली मोरक्को को हल्के में लेने की भूल उनके खिलाड़ी कतई नहीं करेंगे। बोपन्ना हाल ही में अमेरिकी ओपन के युगल मुकाबले के रनरअप रहे है और उनकी फार्म जबरदस्त है वहीं सुमित नागल से भी भारतीय टीम को काफी उम्मीदें हैं। उनकी टीम पूरी तरह से मैच के लिए तैयार है। उधर मोरक्को के कप्तान मेहदी ताहिरी ने कहा कि उनके देश में आए भूकंप ने उनकी पूरी टीम को झकझोर कर रख दिया है। ऐसे समय में घरों से दूर रहकर खेलना बहुत मुश्किल है। यहां पर मौसम काफी गर्म और उमस से भरा है पर अब उनके खिलाड़ी स्थितियों में खुद को ढाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दो-तीन पहले से उनका आना उनके काम आ रहा है। मेहदीने दावा किया कि वो मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भले ही भारत की टीम कागजों पर मजबूत है पर डेविस कप में कुछ भी संभव है।

गोमतीनगर के विजयंतखंड के मिनी स्टेडियम पर 16 और 17 सितंबर को भारत और मोरक्को के बीच चार सिंगल्स और एक डबल्स मैच खेला जायेगा। मैच का प्रसारण डी डी स्पोर्टस पर किया जायेगा। राजपाल ने बताया कि उमस भरी गर्मी के चलते मैच शुरू होने के समय में मामूली फेरबदल किया गया है। 16 तारीख यानी शनिवार को मुकाबला 12 बजे के बजाय दो बजे से शुरू होंगे जबकि रविवार को सुबह 11 बजे के स्थान पर मैच दोपहर एक बजे से खेले जायेंगे।

टेनिस के उत्थान के लिये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस समय की जरूरत : राजपाल

लखनऊ 14 सितंबर। देश में प्रतिभावान टेनिस खिलाड़ियों की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुये भारतीय डेविस कप टीम के नान प्लेयिंग कप्तान रोहित राजपाल ने सेंटर आफ एक्सीलेंस की जरूरत पर बल दिया।

डेविस कप विश्व ग्रुप-2 में मोरक्कों के खिलाफ 16 सितंबर से शुरू होने वाले मुकाबले से पहले पत्रकारों से बातचीत में राजपाल ने गुरुवार को कहा कि टेनिस के क्षेत्र में प्रतिभाओं की आज भी कोई कमी नहीं है मगर जरूरत इन प्रतिभाओं को दिशा दिखाने की है जिसके लिये एक्सीलेंस सेंटर कारगर साबित हो सकते हैं। इस बारे में केंद्र सरकार के खेल मंत्रालय से आइटा के अधिकारी बातचीत कर रहे हैं।

उन्होने कहा कि एक्सिलेंस सेंटर जैसी सुविधा के बिना ज्यादा खिलाड़ी विश्व स्तर पर कमाल नहीं दिखा पा रहे हैं। एक समय में विजय अमृतराज,महेश भूपति,लियेंडर पेस और सानिया मिर्जा का विश्व टेनिस में काफी नाम था मगर आज देश में टेनिस के स्तर में गिरावट आयी है जो निश्चित रूप से इस खेल को पसंद करने वालों को चिंता में डालने वाला है, इसके लिये हमें तत्परता से कदम उठाने होंगे। सेंटर आफ एक्सीलेंस इस दिशा में महती भूमिका निभा सकता है।

टेनिस दिग्गज ने कहा कि आज टेनिस बहुत ज्यादा पेचीदा और विशेषज्ञता वाला खेल हो गया है ऐसे में हमें भी अपनी तैयारी उसी स्तर पर करनी है। इसके लिये सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर पर पैसा खर्च करने से कुछ नहीं होगा बल्कि हमे आज के जमाने की टेनिस खेलने के लिये प्रशिक्षण पद्धित में भी फेरबदल करनी होगी।

राजपाल ने कहा कि अब पूर्वी यूरोप और दूसरे देशों को तर्ज पर हमें काम करने की जरुरत है। कुछ दशक पहले तक टेनिस में अमेरिका और स्वीडन का डंका बजता था मगर आज यूरोप के देशों ने यह जगह ले ली है। डेविस कप के मौजूदा फार्मेट को भी पेचीदा बताते हुये उन्होने कहा कि सभी एशियाई देश इसका विरोध कर रहे हैं। टेनिस के हित के लिये खेल के पुराने फार्मेट को फिर से अपनाना होगा ताकि टूर्नामेट का रोमांच बरकरार रहे। मौजूदा फार्मेट खतरनाक है।

उन्होने कहा कि 23 सालों के लंबे अंतराल के बाद नवाब नगरी लखनऊ डेविस कप की मेजबानी कर रही है। यह यहां के खिलाड़ियों के लिये एक अवसर है। टीवी पर मैच देखकर आप खिलाडियो की शैली को बारीकी से नहीं समझ सकते जबकि कोर्ट में देखकर सीखने का यह अनूठा अवसर है। उन्होने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुये कहा सीएम डेविस कप के आयोजन को लेकर काफी उत्साहित है और हमारी जरूरतों को पूरा कर रहे है। इसके लिये हम सब उनके आभारी हैं। शुक्रवार को उनकी मौजूदगी में डेविस कप मुकाबले के ड्रा निकाले जायेंगे।

यह कुछ ऐसा है जिसे जीवन भर संजोकर रखूंगा : पाठक

नई दिल्ली, 14 सितंबर। पेरिस ओलंपिक 2024 में सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने के मौके के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने 19वें एशियाई खेलों हांगझोऊ अभियान की शुरुआत 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ करेगी। इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले, भारतीय टीम के गोलकीपर कृष्ण बी पाठक ने गुरुवार को टीम में अपने चयन के बारे में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा यह निश्चित रूप से मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। अगर मैं अपनी यात्रा पर पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे भारत के लिए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कैप अर्जित करने और अपना दूसरा एशियाई खेल खेलने का अवसर मिलेगा। यह ऐसी चीज़ है जिसे मैं जीवन भर संजो कर रखूंगा। हम इसे मैच दर मैच लेंगे और किसी भी टीम को हल्के में नहीं लेंगे। उन्होंने कहा, प्रशिक्षण अच्छा चल रहा है, सभी खिलाड़ी बड़े टूर्नामेंट की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। अभ्यास पिच पर हम हर दिन कसरत करते हैं। इसके अलावा, हमने डेनिस के साथ 4-5 गोलकीपिंग सत्र किए हैं और आने वाले दिनों में कुछ और सत्र होंगे। हम फिर से बुनियादी बातों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, पिछले टूर्नामेंटों में हमने जो गलतियाँ कीं और अन्य बातों के अलावा त्वरित निर्णय लेने में सुधार कैसे किया जाए, इस पर ध्यान केंद्रित किया है। भारतीय खिलाडी ने कहा 19वें एशियाई खेलों हांग्जो 2022 से पहले हमारे पास खेलों का अच्छा प्रदर्शन है। हमने कुछ शीर्ष टीमों के खिलाफ खेला है, इसलिए इससे हमें यह पहचानने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी कि हमारे मजबूत और कमजोर बिंदु क्या हैं। हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में अच्छे प्रदर्शन से खिलाड़ियों को भी आत्मविश्वास मिलेगा। हम आगे जाकर गलतियों को दोहराना नहीं चाहते हैं। भारतीय गोलकीपर श्रीजेश के साथ काम करने पर पाठक कहते हैं, हमारे बीच बहुत अच्छी बॉन्डिंग है। वह टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं और जब भी मुझे संदेह होता है, तो मैं उनके पास जाता हूं और मामले पर उनकी सलाह लेता हूं। पिछले दो दशकों में उनके खेलने के अनुभव ने निश्चित रूप से मेरी बहुत मदद की। पंजाब में जन्मे खिलाड़ी भारत के पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप 2016 की ओर से उभरने वाले सबसे प्रतिभाशाली गोलकीपरों में से एक हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड में 4 देशों के आमंत्रण टूर्नामेंट 2018 में सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण किया। वह 18वें एशियाई खेलों जकार्ता-पालेमबांग कांस्य पदक विजेता टीम का हिस्सा थे और उन्होंने पाकिस्तान के साथ संयुक्त विजेता के रूप में हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी मस्कट 2018 जीती थी।

फखर जमां का टीम से बाहर होना तय

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज फखर जमां के लिए वनडे टीम में बने रहने के दरवाजे बंद होते हुए नजर आ रहे हैं। लगातार कई पारियों में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के कारण टीम में उनकी जगह पर तलवार लटकी हुई है।

श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने एशिया कप सुपर चार चरण के मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान ने बुधवार को प्लेइंग इलेवन का ऐलान किया था लेकिन आज मैच से पहले टीम को बदलाव के लिए मजबूर होना पड़ा है। पाकिस्तान ने इमाम उल हक और सऊद शकील की जगह फखर जमां और अब्दुल्ला शफीक को टीम में शामिल किया है। इमाम उल हक की पीठ में ऐंठन है, जिसके कारण वह इस मैच से बाहर हो गए थे और उनकी जगह फखर को मौका मिला था।

फखर के पास खुद को साबित करने का ये आखिरी मौका था क्योंकि वो पिछली कई पारियों से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और उनकी टीम में जगह खतरे में थी। फखर जमां ने पिछली 10 वनडे पारियों में 19, 14, 33, 2, 30, 27, 14, 20, 27, 4 रन बनाए हैं। 10 पारियों में वह सिर्फ 190 रन ही बना सके हैं, जोकि बतौर ओपनर खराब आंकड़े हैं। एशिया कप में तीन पारियों में उन्होंने 14, 20, 27 और 4 रन बनाए हैं। श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले मोहम्मद हारिस को फखर जमां की जगह चुना गया था लेकिन टॉस के बाद पाकिस्तान ने सऊद शकील की जगह अब्दुल्ला शफीक को टीम में शामिल किया और ओपनिंग भी करवाई।

सोनी स्पोर्ट्स ने सबसे बड़ा एशियाई खेल अभियान शुरू किया

नई दिल्ली, 14 सितंबर। एशियाई खेलों के आधिकारिक प्रसारक सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने 19वें एशियाई खेल हांगझोऊ 2022 से पहले भारत में एशियाई खेलों के इतिहास में सबसे भव्य अभियान शुरू किया है। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ डिफेंस स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान और प्रभावशाली हस्तियों के एक प्रभावशाली लाइनअप से समर्थन प्राप्त किया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि 'इस बार सौ पार, फिर से, हम होंगे कामयाब का संदेश भारत के हर कोने में गूंजे।' इस रणनीति से यह स्पष्ट है कि एकजुट भारत, एक स्वर में जयकार करते हुए, अपने एथलीटों को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक प्रेरित कर सकता है। 19वें एशियाई खेलों में भारतीय क्रिकेट टीमें पहली बार एशियाई खेलों में भाग लेंगी, जिसमें रुतुराज गायकवाड़ पुरुष और स्मृति मंधाना भारतीय महिला टीम की कमान संभालेंगी। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा भाला फेंक में भारत के शीर्ष पदक उम्मीदों में से एक होंगे, जबकि बैडमिंटन में पीवी सिंधु, एचएस प्रणय और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी खिताब की प्रबल दावेदार हैं। इनके अलावा धावक, तीरंदाज, भारतीय रग्बी, हॉकी और फुटबॉल टीमें, तैराक, ब्रिज और शतरंज टीमें भी पदक तालिका में शामिल होने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। ये सभी एथलीट भारत को चतुष्कोणीय आयोजन के 19वें संस्करण के 100 पदक के लक्ष्य को हासिल करने में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। देश के प्रमुख प्रभावशाली लोग जो ब्रॉडकास्टर के मिशन में शामिल हुए हैं और एशियाई खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों को चतुष्कोणीय उत्सव के इस संस्करण में उच्च स्तर तक पहुंचने के लिए अपने संदेश को साझा किए हैं उनमें अमिताभ बच्चन, सुधा मूर्ति, आमिर खान और ड्रीमगर्ल हेमा मालिनी भी शामिल हैं। इसके अलावा अभिनेत्री माधुरी दीक्षित, आदित्य रॉय कपूर, जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन, कपिल शर्मा मीराबाई चानू, जहीर खान, अंजू बॉबी जॉर्ज और राजा रणधीर सिंह भी इस मिशन में शामिल हो गए हैं। ब्रॉडकास्टर में शामिल होने के साथ-साथ भारतीय खेल पत्रकारों की एक ऑल-स्टार लाइनअप भी शामिल हुई, जो भारत के खिलाड़ियों को विशेष रूप कवर करते रहे हैं।

बेन स्टोक्स ने बनाए रिकॉर्ड 182 रन

इंग्लैंड के वनडे इतिहास का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर, न्यूज़ीलैंड को 181 रन से हराया

लंदन, 14 सितम्बर। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने से चूक गए। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ लंदन के द ओवल मैदान पर 182 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 15 चौके और 9 छक्के लगाए। यह इंग्लैंड के वनडे इतिहास का सबसे व्यक्तिगत स्कोर है। स्टोक्स से पहले जेसन रॉय ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2018 में 180 रन बनाए थे। लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। इंग्लैंड टीम पहले बैटिंग करते हुए 48.1 ओवर 368 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। न्यूजीलैंड से ट्रेंट बोल्ट ने 5 विकेट लिए। जवाब में न्यूजीलैंड टीम 187 रन बनाकर ढेर हो गई और 181 रन से मुकाबला गंवा दिया। 4 मैचों की सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। चौथा वनडे 15 सितंबर को खेला जाएगा।

बेन स्टोक्स ने 182 रन बनाकर इंग्लैंड के लिए सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड खड़ा किया। उन्होंने जेसन रॉय का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 180 रन बनाए थे। इंग्लैंड के टॉप-6 में 5 स्कोर 2015 वनडे वर्ल्ड कप के बाद बने हैं। इस वर्ल्ड कप में इंग्लैंड टीम ग्रुप स्टेज में बांग्लादेश से हारने के बाद बाहर हो गई थी। टॉप-6 स्कोर में नंबर-4 पर मौजूद रॉबिन स्मिथ ने 1993 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 167 रन बनाए हैं।

स्टोक्स अगर पूरे 50 ओवर तक बैटिंग करते तो इंग्लैंड के लिए दोहरा शतक भी लगा देते। वह ऐसा करने वाले इंग्लैंड के पहले और दुनिया के 9वें खिलाड़ी बनते। वनडे में अब तक 4 देशों के 8 खिलाड़ियों ने 10 डबल सेंचुरी लगाई हैं। भारत के रोहित शर्मा के नाम 3 दोहरे शतक हैं। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे। ये वनडे इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। रोहित के अलावा भारत से 4 और खिलाड़ियों ने भी वनडे में डबल सेंचुरी लगाने का कारनामा किया है। इनमें सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, शुभमन गिल और ईशान किशन शामिल हैं। दूसरे देशों में पाकिस्तान के फखर जमान (210 रन), वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (215 रन) और न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल (237 रन) ने भी वनडे में दोहरा शतक लगाने का कारनामा किया है।

स्टोक्स अगर पूरे 50 ओवर तक बैटिंग करते तो इंग्लैंड के लिए दोहरा शतक भी लगा देते। वह ऐसा करने वाले इंग्लैंड के पहले और दुनिया के 9वें खिलाड़ी बनते। वनडे में अब तक 4 देशों के 8 खिलाड़ियों ने 10 डबल सेंचुरी लगाई हैं। भारत के रोहित शर्मा के नाम 3 दोहरे शतक हैं। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे। ये वनडे इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है।

रोहित के अलावा भारत से 4 और खिलाड़ियों ने भी वनडे में डबल सेंचुरी लगाने का कारनामा किया है। इनमें सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, शुभमन गिल और ईशान किशन शामिल हैं। दूसरे देशों में पाकिस्तान के फखर जमान (210 रन), वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (215 रन) और न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल (237 रन) ने भी वनडे में दोहरा शतक लगाने का कारनामा किया है।

रोम के पुराविदों को लगता है कि उन्हें रोमन सम्राट नीरो के थिएटर के अवशेष मिल गए हैं। पहली सदी में बने इस थिएटर का रोमन ग्रंथों में काफी उल्लेख तो मिलता है, पर यह किस जगह पर था, इसकी जानकारी नहीं थी। थिएटर का नाम नीरो क्लॉडिअस सीज़र ऑगस्टस जर्मैनिकस के नाम पर है, जिसने 54 ईस्वी से लेकर 68 इस्वी में अपनी मृत्यु तक रोम पर शासन किया था। वैटिकन सिटी के पूर्व में स्थित इस थिएटर की खोज को पुराविद् अभूतपूर्व बता रहे हैं। संभवतया यहीं पर नीरो कविता का अभ्यास करता था और संगीत कार्यक्रम आयोजित करता था। नीरो की मृत्यु हुए हजार साल से भी अधिक समय हो चुका है लेकिन अभी भी नीरो रोम के सबसे कुख्यात शासकों में से एक माना जाता है, जिस पर आरोप है कि, जब रोम जल रहा था उस समय वह वायलिन बजा रहा था। कहा जाता है कि, उस घटना के समय नीरो इसी थिएटर में था। उसके कुशासन व उसके राज में हुए दमन पर बहुत कुछ लिखा गया है। कहते हैं कि, उसने अपनी मां और दो पत्नियों की हत्या करवाई थी और रोम का खजाना अपनी शानो शौकत पर खर्च कर दिया था। लेकिन, उसे संगीत और कला के प्रेमी के रुप में भी याद किया जाता है। वह अपने थिएटर में अपनी कला का प्रदर्शन करता था। उसे सिथरा (सात तारों वाला वीणा जैसा वाद्य) बजाना बहुत पसंद था। लेकिन जब, सम्राट की सुरक्षा के लिए जिम्मेवार, प्रैटोरिअन गार्ड ने नीरो से अपना समर्थन वापस ले लिया तो, कथित रुप से उसने आत्महत्या कर ली। उसके आखिरी शब्द थे "मेरे भीतर कितना शानदार कलाकार मर रहा है।" हाल ही में मिले अवशेषों से शोधकर्ताओं को कई कलाकृतियाँ मिली हैं। इनमें सात अलंकृत मध्यकालीन ग्लास चैलिस (प्याले), जपमाला के मनके बनाने के लिए प्रयुक्त की जाने वाली हड्डियां, मिट्टी के बर्तन, ब्रेड बेक करने के बर्तन, सिक्के, हड्डी से बने कंघे व संगीत वाद्यों के कई अवशेष शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ के उप मु.मंत्री ने प्र.मंत्री मोदी की खुलकर तारीफ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि, कभी भी प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के साथ भेदभाव नहीं किया, जिस बात की मांग की गई उसे पूरा किया

रायपुर, 14 सितम्बर। विरोधी दलों के नेता एक-दूसरे की सार्वजनिक मंचों से तारीफ करें ऐसे मौके बहुत ही कम आते हैं। छत्तीसगढ़ के लिए कई सौगत लेकर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी की कांग्रेस सरकार में उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने खुलकर तारीफ की। उन्होंने मंच से कहा कि पी.एम. मोदी ने राज्य के साथ कभी भेदभाव नहीं किया और जब जिस बात की मांग की गई उसे केंद्र सरकार की ओर से पूरा किया गया।

पी.एम. मोदी ने विधानसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में गुरुवार को लगभग 6350 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने प्रधानमंत्री ने सिकल सेल रोग की जांच की गई आबादी के बीच एक लाख सिकल सेल परामर्श कार्डों का भी वितरण किया। इस दौरान मंच पर छत्तीसगढ़ सरकार के उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव भी मौजूद थे। गर्मजोशी से पी.एम. मोदी का स्वागत करने के बाद उन्होंने खुलकर तारीफ भी की।

- **प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ में गुरुवार को लगभग 6350 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।**
- **टी.एस सिंहदेव ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि, छत्तीसगढ़ की धरती पर श्रद्धेय प्रधानमंत्री जी की अगवानी करने का अवसर मिला। छत्तीसगढ़ में सर आपका बहुत-बहुत स्वागत है। अब यही कामना है कि, राज्य को हमेशा आपका सहयोग इसी प्रकार से मिलता रहे।**
- **टी.एस. सिंहदेव की ओर से भेदभाव को नकारे जाने की बात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस और विपक्ष के अन्य दल केंद्र सरकार पर भेदभाव और परेशान किए जाने का आरोप लगाते रहे हैं।**

टी.एस. सिंहदेव ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ की धरती पर श्रद्धेय प्रधानमंत्री की अगुवानी का अवसर मिला। छत्तीसगढ़ में सर आपका बहुत-बहुत स्वागत है। आज आप देने आए हैं। बहुत सारी चीजें देते रहे हैं, और देते रहे हैं और भविष्य में भी मिलती रहेंगी ऐसा मेरा विश्वास है। सिकल सेल रोगियों को लेकर हुए काम को लेकर उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में हर 10 में से एक व्यक्ति सिकल सेल से ग्रसित है। ये आदिवासी और पिछड़े वर्ग के भी है। इनके लिए केंद्र सरकार की ओर से ध्यान आकर्षित करके जो काम हो रहा है, हमारे संविधान के संघीय ढांचे में केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में, राज्य अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सदैव काम करते रहा है।

टी.एस. सिंहदेव मंच से खुलकर कहा कि पी.एम. मोदी ने कभी राज्य सरकार के साथ भेदभाव नहीं किया और हर मांग पूरी की। उन्होंने कहा,मैं यह कहने से भी नहीं चूकना चाहूंगा कि मेरे अनुभव में मैंने भेदभाव महसूस नहीं किया। राज्य से, यदि हम लोगों ने काम किया और मांगा तो बतौर हक, बतौर साथी, केंद्र सरकार से कभी हाथ तंग नहीं रहे। मेरा विश्वास है कि इस देश को और प्रदेश को हम मिलकर आगे बढ़ाते रहेंगे। टी.एस. सिंहदेव की ओर से भेदभाव को नकारे जाने की बात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस और विपक्ष के अन्य दल केंद्र सरकार पर भेदभाव और परेशान किए जाने का आरोप लगाते रहे हैं।

निपाह वायरस संक्रमण फैलने की आशंका

जयपुर, 14 सितम्बर। केरल के कोझिकोड़ में निपाह वायरस के केस मिलने और मौत होने के बाद राजस्थान में अलर्ट जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग ने इसे लेकर एडवाइजरी जारी की है। इसमें राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल, जोन के संयुक्त निदेशकों और जिलों के सी.एम.एच.ओ. को जांच और ट्रीटमेंट के लिए हेल्थ वर्कर्स को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए है। साथ ही दक्षिण भारत खासकर उन राज्यों से जहां इस वायरस के केस मिल रहे हैं, वहां से आने वाले यात्रियों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं संदिग्ध मामलों में तत्काल सैंपल लेकर स्वास्थ्य निदेशालय को सूचित करने के निर्देश दिए हैं।

- **प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में एडवाइज़री जारी की तथा दक्षिण भारत से आने वालों पर विशेष निगरानी रखने को कहा है।**

स्वास्थ्य विभाग के निदेशक की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार केरल के कोझिकोड़ में 5 संक्रमित केस मिलने और 2 मरीजों की मौत होने के बाद इसके फैलने का खतरा दूसरे राज्यों में बढ़ गया है। ऐसे में अगर कोई इस तरह के लक्षण वाला मरीज आता है तो उसके सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए। डब्ल्यु.एच.ओ. के मुताबिक निपाह वायरस चमगादड़ और सूअर जैसे जानवरों से इंसानों में फैलता है। विशेषज्ञों का मानना है कि, यह वायरस एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भी फैल सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार बुखार आना, सिरदर्द, कफ बनना, गले में खराश, सांस में तकलीफ और उल्टी होना इस वायरस से संक्रमित मरीज के सामान्य लक्षण है। वहीं गंभीर स्थिति वाले मरीज में दौरे पड़ना, कोमा में आना व दिमाग में सूजन आना भी इस रोग के लक्षण है।

'इंडिया गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टालिन के पुत्र उदयनिधि ने सनातन की तुलना एच.आई.वी., कोविड और मलेरिया से की। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ए. राजा ने हिन्दुत्व को समाज के लिए घातक बताया था।

भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिज़ोरम के विधानसभा तथा 2024 के लोकसभा चुनाव में इसको मुख्य चुनावी मुद्दा बनाने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश में भारत द्वारा जी-20 सम्मेलन सफलतापूर्वक करवाने की प्रशंसा की और लोगों से पूछा कि क्या उनका हृदय गर्व से भरा है या नहीं।

उन्होंने कहा, "देश ने औपनिवेशिक मानसिकता से निकलकर विश्वास के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया है।"

उन्होंने मतदाताओं को याद दिलाया कि उन्होंने आवास, मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, टायलट, पेयजल, सड़कों और बिजली की गारंटियां पूरी करके दिखाई है।

भारतीय मूल के थर्मन शनमुगरत्नम सिंगापुर के राष्ट्रपति बने

एक और भारतीय मूल के व्यक्ति ने किसी देश का सर्वोच्च पद ग्रहण कर भारत का नाम रोशन किया

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। भारतवंशी अर्थशास्त्री थर्मन शनमुगरत्नम ने गुरुवार को सिंगापुर के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। थर्मन शनमुगरत्नम सिंगापुर के नौवें राष्ट्रपति बन गए।

बता दें कि 154 साल पुराने महल इस्ताना में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतवंशी मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेनन ने इस्ताना में थर्मन शनमुगरत्नम को राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। इस्ताना राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय है।

इस्ताना में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री ली सीन लूंग, मंत्रिमंडल के सदस्य सहित कई अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। 66 वर्षीय थर्मन शनमुगरत्नम ने हलीमा याकूब का स्थान लिया। हलीमा याकूब सिंगापुर की पहली महिला राष्ट्रपति थीं और 13 सितंबर को उनका कार्यकाल समाप्त हो गया।

- **सिंगापुर के मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेनन ने गुरुवार को थर्मन शनमुगरत्नम को सिंगापुर के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई**
- **साल 2001 में राजनीति में कदम रखने वाले थर्मन शनमुगरत्नम ने एक सितंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में सबसे ज्यादा 70.4 फीसदी वोट हासिल किए। इस चुनाव में उन्होंने चीनी मूल के एन.जी कोक सॉन्ग और टैन किन लियान को मात दी थी।**

साल 2001 में राजनीति में कदम रखने वाले थर्मन शनमुगरत्नम ने एक सितंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में सबसे ज्यादा 70.4 फीसदी वोट हासिल किए। इस चुनाव में उन्होंने चीनी मूल के एनजी कोक सॉन्ग और टैन किन लियान को मात दी थी। एनजी कोक सॉन्ग को महज 15.72 फीसदी, जबकि टैन किन लियान को 13.88 फीसदी वोट मिले।

सिंगापुरी वकील जेन इटोगी के साथ शादी के पवित्र बंधन में बंधे थर्मन शनमुगरत्नम की एक बेटी और तीन बेटे हैं। राजनीति में आने से पहले थर्मन शनमुगरत्नम इकॉनॉमिस्ट थे और नौकरशाह के रूप में सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण से जुड़े थे। इसके अतिरिक्त थर्मन शनमुगरत्नम ने साल 2011 से 2019 तक उप प्रधानमंत्री का पद की जिम्मेदारी संभाली है।

मु.मंत्री गहलोत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अदालत में हाजिर हुए। गहलोत की ओर से पेश प्रार्थना पत्र में कहा गया कि सीआरपीसी की धारा 256 के तहत यदि मामले का वादी अदालत में हाजिर नहीं होता है तो कोर्ट को इस आधार पर उन्हें बरी कर देना चाहिए। वहीं शेखावत की ओर से कहा गया कि यदि लंबे समय तक परिवादी अदालत में पेश नहीं हो तो इस धारा के तहत कार्रवाई हो सकती है। इसके अलावा बीती दो पेशियों से परिवादी अदालत में हाजिर हो रहे हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने प्रार्थना पत्र पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। गौरतलब है कि केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह ने संजीवनी घोटाले में सीएम गहलोत की ओर से उनके खिलाफ बयानबाजी करने पर आपराधिक मानहानि का परिवाद पेश किया है, जिस पर अदालत ने गहलोत को समन जारी कर तलब किया था।

सरकार ने संसद सत्र का एजेण्डा जारी किया

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। सरकार ने संसद के विशेष सत्र का एजेण्डा विपक्ष के सामने रख दिया है। आगाामी संसद सत्र में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा विधेयक भी पेश किया जाएगा।

ये विधेयक पारित होने के बाद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली 3 सदस्यीय कमेटी करेगी। इसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और एक नामित कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे। कैबिनेट मंत्री का नाम प्रधानमंत्री तय करेंगे।

इस बिल पर राज्यसभा में 10 अगस्त 2023 को चर्चा हुई थी। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित अन्य विपक्षी दलों ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि, सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ बिल लाकर उसे कमजोर कर रही है।

साल 2018 में चुनाव आयोग के कामकाज में पारदर्शिता को लेकर कई याचिकाएं दायर हुईं थीं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील अनूप बरनवाल, सुप्रीम कोर्ट के वकील और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी (ए.डी.आर.) ने कहा था कि, चुनाव आयुक्त के लिए फिलहाल अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है।

लैण्डिंग के वक्त रनवे पर फिसलकर प्लेन के दो टुकड़े हुये, आठ घायल

मुंबई, 14 सितम्बर। मुंबई एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया। यहां एक चार्टर्ड प्लेन लैण्डिंग के वक्त भारी बारिश की वजह से रनवे से फिसल गया। इस विमान में 6 यात्री और 2 क्रू मेंबर थे। डी.जी.सी.ए. द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विशाखापत्तनम से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाला वेंचर्स लियरजेट 45 विमान वीटी-डी.बी.एल. मुंबई हवाई अड्डे पर रनवे 27 पर उतरते समय रनवे से फिसल गया। इस घटना के जारी हुये वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि, लैण्डिंग के वक्त फिसलते ही प्लेन के बीच से दो टुकड़े हो गये।

- **इस चार्टर्ड प्लेन में 2 क्रू मैंबर सहित कुल आठ लोग सवार थे, सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।**
- **डी.जी.सी.ए. ने बताया कि, जिस समय यह चार्टर्ड प्लेन उतर रहा था, उस समय मुंबई एयरपोर्ट पर भारी बारिश की वजह से विज़िबिलिटी बेहद कम, 700 मीटर थी।**

इस विमान में 6 यात्री और 2 क्रू मेंबर सवार थे। डी.जी.सी.ए. ने बताया कि, जिस समय यह चार्टर्ड प्लेन उतर रहा था, उस समय मुंबई एयरपोर्ट पर भारी बारिश की वजह से दृश्यता बेहद कम 700 मीटर थी। विमान में सवार सभी 8 लोगों के चोटें आई हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि यह विमान हादसा शाम 5 बजे के थोड़ी देर बाद हुआ। हादसे के बाद थोड़ी देर के लिए दोनों रनवे बंद कर दिए गए। शाम करीब 6.47 बजे एक रनवे पर ऑपरेशन वापस शुरू किए गए। मुंबई एयरपोर्ट ने एक बयान के जरिए बताया कि हादसा शाम पांच बजकर आठ मिनट पर हुई।

बयान में बताया गया कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। दुर्घटना के तुरंत बाद ऑन ग्राउंड टीम साइट को क्लियर करने में जुट गई।

रूस के ब्लैक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यूक्रेन पर हमले के बाद से महत्वपूर्ण युद्ध ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। रूस समर्थित क्रीमिया के गवर्नर ने कहा कि शिपयार्ड पर हुए हमले मे कम से कम 24 लोग घायल हुए।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य में कहा कि यूक्रेन ने एक साथ 10 क्रूज मिसाइलें दागीं और साथ ही रूस के युद्धपोत ब्लैकसी पर तीन ड्रोन से हमला किया। मॉस्को ने क्रीमिया पर सफल हमले की स्वीकारोक्ति तब की, जब स्थानीय नागरिकों ने विस्फोट और आग की फोटो पोस्ट की।

राजनयिक समाचारो में व्लादिमिर पुतिन ने पूर्वी रूस के अंतरिक्ष लांच केन्द्र कोस्टोक्री कॉस्मोड्रोम में उत्तरी कोरिया के नेता किम जोंग उनसे मुलाकात की।

उन दोनों ने फूलों के डिज़ायन वाले टेबल पर जाम टकराते हुए "अनिष्टकारी गुट" से क्रेमलिन के "पवित्र संघर्ष" के लिए दुआ की।

इस बैठक से दोनों के संबंधों मे एक नए युग का सूत्रपात हुआ है और अटकलें हैं कि उत्तरी कोरिया मॉस्को को और हथियार भेजेगा, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कोई सौदा हुआ या नहीं।

पश्चिमी अधिकारियों ने कहा कि रूस प्रतिबंधों को पार कर अपने मिसाइल उत्पादन को युद्ध के पहले के स्तर तक बढ़ा रहा है लेकिन यूक्रेन की तरह उसके पास भी गोला-बारूद की कमी हो रही है।

'दोषी ठहराये जा चुके सांसदों-विधायकों के चुनाव लड़ने पर आजीवन रोक लगे'

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्याय मित्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि, जनप्रतिनिधि आम जन की भावनाओं और क्रियाकलापों का सामाजिक प्रतिनिधित्व करते हैं एक बार दोषी ठहराए जाने के बाद उस भावना और पवित्रता का पूर्णतः नाश हो जाता है

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। सांसदों-विधायकों के खिलाफ आपराधिक केस से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एमिकस क्यूरी बनाए गए वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को सिर्फ छह साल के लिए नहीं बल्कि आजीवन चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत द्वारा एमिकस क्यूरी नियुक्ति के बाद से यह उनकी 19वीं रिपोर्ट है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष पेश होने वाली अपनी रिपोर्ट में हंसारिया ने कहा, "सांसद और विधायक आमजन की संप्रभु इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं और एक बार नैतिक अधमता से जुड़ा अपराध करते हुए पाए जाने पर, उन्हें उस पद को संभालने से स्थायी रूप से अयोग्य ठहराया जाना चाहिए।"

हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में सिविल सेवकों से संबंधित नियमों की ओर इशारा किया है, जो अनैतिक कार्यों से जुड़े किसी भी अपराध के लिए दोषी ठहराए गए कर्मचारियों को बर्खास्त करने का प्रावधान करते हैं और केंद्रीय सतर्कता आयोग और मानवाधिकार आयोग जैसे वैधानिक निकायों से संबंधित कानून का भी जिक्र किया है, जो ऐसे अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए किसी भी व्यक्ति को शीर्ष पदों पर नियुक्ति के लिए स्पष्ट रूप से अयोग्य घोषित करते हैं।

हंसारिया की रिपोर्ट में तर्क दिया गया है, अगर वैधानिक पद पर किसी भी दोषी अधिकारी या प्राधिकारी की नियुक्ति नहीं हो सकती है, तब तो यह स्पष्ट रूप से मनमाना है कि इसी तरह का दोषी व्यक्ति सजा की एक निश्चित अवधि की समाप्ति के बाद फिर से देश या राज्यों के सर्वोच्च विधायी निकाय संसद या विधानसभा/विधानपरिषद में आकर बैठ सकता है। कानून निर्माताओं को ऐसे कानून के तहत पद संभालने वाले व्यक्तियों की तुलना में ज्यादा पवित्र और अनुल्लंघनीय होना चाहिए।"

- **न्याय मित्र ने तर्क दिया है कि, सेवा में गलती करने पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की बर्खास्तगी होती है, उनको आजीवन सेवा से दूर कर दिया जाता है साथ ही उनके कई वेतन लाभ भी रोक दिये जाते हैं तो फिर विधायकों एवं सांसदों के साथ ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता।**

वकील स्नेहा कलिता के माध्यम से दायर रिपोर्ट में कहा गया है, "ऐसा कोई नेक्सस नहीं है कि कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को कोई वैधानिक पद धारण करने से अयोग्य ठहराने के लिए कोई कानून बना सकता है, लेकिन कानून बनाने वाला व्यक्ति (सांसद-विधायक) अपने लिए केवल एक सीमित अवधि के लिए अयोग्यता का कानून बना सकता है।"

बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय द्वारा 2016 में दायर याचिका से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया था। अश्विनी उपाध्याय ने अपनी याचिका में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी थी, जो एक दोषी सांसद या विधायक को सिर्फ छह साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराती है। हंसारिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि दोषी सांसदों को छह साल के बाद फिर से चुनाव लड़ने की अनुमति देना "स्पष्ट रूप से मनमाना और संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है, जबकि संविधान का अनुच्छेद 14 समानता और कानूनों की समान सुरक्षा की गारंटी देता है।रिपोर्ट में विधायकों/सांसदों के खिलाफ लंबित मुकदमों के शीघ्र निपटान की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया है और कहा गया है कि देश की विभिन्न निचली अदालतों में 5,175 मामले लंबित हैं। इनमें से 2,116 मामले पांच साल से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश (1,377) में हैं।

हाई कोर्ट के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संजय वशिष्ठ, त्रिभुवन दहिया, नमित कुमार, हरकेष मनुजा, अमन चौधरी, नरेश सिंह, हर्ष बुंगर, जगमोहन बंसल, दीपक मनचंदा और आलोक जैन।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में जिन 7 जजों को पदोन्नत किया गया है, वे हैं- उमेश चन्द्र शर्मा, रेणु अग्रवाल, राम मनोहर नारायण मिश्रा, मयंक कुमार जैन, शिव शंकर प्रसाद, गजेन्द्र कुमार और नलिन कुमार श्रीवास्तव।

सचिन पायलट के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समिति का सदस्य बनाया गया है, तो स्वाभाविक है कि, उनके समर्थकों में इस बात का जोश है कि, उनके नेता अब उनकी पैरवी आगे तक करेंगे और उसी पैरवी के दम पर वे उम्मीदवार बनने में सफल हो पाएंगे। यही कारण है कि, सचिन पायलट के विदेश दौरे से वापस आने के बाद उनके सिविल लाइन स्थित आवास पर टिकट चाहने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

राजस्थान में चुनावी बिगुल बज चुका है और अगले 20 दिन बाद कभी भी आचार संहिता लग सकती है। इस बीच कांग्रेस ने अपनी कमेटियां बनाकर बैठकें शुरू कर दी हैं। टिकट वितरण के लिए स्क्रीनिंग कमेटी भी अपनी कार्यवाही कर रही है।

कांग्रेस कार्य समिति तथा स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य बने पूर्व उपमुख्यमंत्री व पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट विदेश से लौटने के बाद सबसे पहले प्रियंका गांधी के निवाई दौर में शामिल हुए। उसके बाद से जयपुर में कांग्रेस की विभिन्न कमेटियों की बैठकों में हिस्सा ले रहे हैं। सिविल लाइन्स स्थित उनके आवास पर रोजाना मिलने वालों की भीड़ के कारण सिविल लाइन्स में लंबा ट्रेफिक जाम भी लगा रहता है।

यूं तो राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य हैं, लेकिन सबसे ज्यादा भीड़ इन दिनों सचिन पायलट के आवास पर ही नज़र आ रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष होने के बावजूद गोविंद सिंह डोटासरा के यहां लोग नज़र नहीं आ रहे हैं।

अभी दो दिन पहले सचिन पायलट ने अजमेर और भीलवाड़ा का दौरा किया, तब भी उनके साथ बड़े काफिले गए थे।

अजमेर और भीलवाड़ा के रास्ते में पायलट के स्वागत के लिए भी बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। अभी पायलट के आवास पर जो भीड़ जुट रही है, वह सिर्फ जयपुर की ही नहीं है। दौसा, करौली, टोंक, सवाई माधोपुर, अजमेर और नागौर से भी बड़ी संख्या में लोग पायलट से मिलने आ रहे और उनके आवास के पास लगी वाहनों की लंबी कतारों के कारण यातायात व्यवस्थित करने के लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600